■ श्रावण कृष्ण - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 12 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 03-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 नीट विवाद पर नड्डा ने कहा, बीमारी के कारण शरीर को नहीं मारा जाता

6 आरक्षण के भीतर आरक्षण की व्यवस्था का अहम फैसला

7 आदित्य धर की अगली फिल्म में आर माधवन निभाएंगे अजीत डोभाल का किरदार

फर्स्ट टेक

तेलंगाना सरकार 30,000 सरकारी स्कूलों को मुफ्त बिजली देगी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार बुनियादी सुविधाओं में सुधार के उपायों के तहत लगभग 30,000 सरकारी स्कूलों को मुफ्त बिजली प्रदान करेगी। हाल ही में पदोन्नत हुए शिक्षकों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तीन बार चुनाव जीता क्योंकि उन्होंने सरकारी स्कूलों में सुधार किया और गरीबों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की। उन्होंने कहा कि जब स्कूलों के बिलों का भुगतान नहीं किया गया तो ऊर्जा विभाग द्वारा बिजली की आपूर्ति बंद कर दी गई थी। उन्होंने कहा, ''जब किसानों को (मुफ्त बिजली) दी जाती है और गरीबों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाती है तो उन स्कूलों में मुफ्त बिजली क्यों नहीं दी जा सकती जहां तेलंगाना का भविष्य तैयार हो रहा।'' उन्होंने कहा, ''मैंने अधिकारियों को तेलंगाना के 30,000 स्कूलों को मुफ्त बिजली प्रदान करने का निर्देश दिया और इसका खर्च सरकार वहन करेगी।''

बांग्लादेश में फिर से विरोध-प्रदर्शन शुरू

ढाका/एपी। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार के खिलाफ शुक्रवार को फिर से प्रदर्शन शुरू हो गए। जुलाई में नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन के दौरान 200 से ज्यादा लोगों की मौत के लिए इंसाफ की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किए जा रहे हैं। राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में दो हजार से अधिक प्रदर्शनकारी एकत्र हुए, जिनमें से कुछ लोग ''तानाशाह मुर्दाबाद'' और पीड़ितों के लिए इंसाफ के नारे लगा रहे थे, जबकि पुलिस अधिकारी उनके चारों ओर घेरा बनाकर खड़े थे। ढाका के उत्तरा इलाके में पुलिस और दर्जनों छात्रों के बीच झड़प हुई, जबकि सुरक्षा अधिकारियों ने पत्थरबाजी कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड दागे।

भारत जल्द ही तिमोर-लेस्ते में दूतावास खोलेगा

नई दिल्ली/भाषा। भारत के किसी राष्ट्रपति की तिमोर-लेस्ते की अब तक की पहली यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने यहां शुक्रवार को कहा कि नई दिल्ली शीघ्र दिली में एक दूतावास स्थापित करेगा,जिससे दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होंगे। लोकतांत्रिक गणराज्य तिमोर-लेस्ते की राजधानी का नाम 'दिली' है। विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि तिमोर-लेस्ते ने भी नई दिल्ली में अपना दूतावास खोलने के इरादे की घोषणा की है।

सूर्यास्त 03-08-2024	सूर्योदय 04-08-2024
6:45 बजे	6:06 बजे

BSE	NSE
80,981.95	24,717.70
(-885.59)	(-293.20)

सोना	चांदी
7,105 रु.	85,600 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

हिंद महासागर में 'अशांति' की आशंका, भारत को तैयार रहने की जरूरत : जयशंकर

■ विदेश मंत्री की यह टिप्पणी क्षेत्र में चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों को लेकर चिंताओं की पृष्ठभूमि में आई है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि हिंद महासागर में '' अशांति पैदा करने वाले'' बदलाव होने की आशंका है और भारत को इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है। उनकी यह टिप्पणी क्षेत्र में चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों को लेकर चिंताओं की पृष्ठभूमि में आई है।

एक विचारक संस्था (थिंक टैंक) के संवाद सत्र को संबोधित करते हुए जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि भारत के पड़ोस में जो प्रतिस्पर्धा देखी गई है, वह निश्चित रूप से हिंद महासागर में भी होगी।

विदेश मंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में पड़ोस में प्रतिस्पर्धा के बारे में बात की और कहा, ''इस बारे में विलाप करने का कोई औचित्य नहीं है'' क्योंकि भारत को प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत है और वह वास्तव में यही करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत हिंद महासागर में प्रतिस्पर्धा के लिए उसी तरह तैयार है, जिस तरह वह बाकी पड़ोस में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है।

जयशंकर ने कहा, ''मुझे लगता है कि हिंद महासागर में समुद्री मौजूदगी की नजर आ रही है, जो पहले नहीं थी। इसलिए यह एक विध्वंसकारी परिवर्तन के लिए तैयार है। मुझे लगता है कि हमें इसका पूर्वानुमान लगाने (और) हमें इसके लिए तैयारी करने की जरूरत है।''

चीन धीरे-धीरे हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है, जिसे पारंपरिक रूप से भारतीय नौसेना का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है।

जयशंकर ने सेंटर फॉर एयरपावर स्टडीज (सीएपीएस) में जसजीत सिंह स्मारक व्याख्यान देने के बाद एक सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की।

राशन वितरण घोटाला

ईडी ने तृणमूल नेता को किया गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक नेता को करोड़ों रुपए के राशन वितरण घोटाले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने टीएमसी के देगंगा ब्लॉक अध्यक्ष अनीस उर-रहमान और उसके बड़े भाई को बृहस्पतिवार देर रात कोलकाता स्थित कार्यालय में करीब 14 घंटे तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, रहमान और उसके भाई को राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है।

चुनावी बॉन्ड:

उच्चतम न्यायालय ने एसआईटी जांच की याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड के माध्यम से भारी चंदा के बदले कॉरपोरेट को कथित तौर पर ठेका देने के मामलों की जांच शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की देखरेख और अदालत की निगरानी वाले विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की मांग वाली चार जनहित याचिकाएं शुक्रवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गैर सरकारी संगठनों – कॉमन कॉज और सीपीआईएल के अलावा जय प्रकाश शर्मा, सुदीप तमनकर और डॉ. खेम सिंह भाटी द्वारा दायर याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया।

पीठ कहा कि वह धारणा के आधार पर चुनावी बांड (जिसे शीर्ष अदालत ने 14 फरवरी को खारिज कर दिया) की खरीद की जांच के लिए आदेश नहीं दे सकती, क्योंकि जांच दल का गठन करना एक दूरगामी प्रभाव होगा।

मोदी ने राज्यपालों से केंद्र-राज्य के बीच महत्वपूर्ण सेतु बनने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यपालों से शुक्रवार को आग्रह किया कि वे केन्द्र और राज्य के बीच प्रभावी सेतु की भूमिका निभाएं तथा लोगों और सामाजिक संगठनों के साथ इस तरह से संवाद करें, जिससे वंचित लोगों को भी इसमें शामिल किया जा सके। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अध्यक्षता में आयोजित राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राज्यपाल का पद एक महत्वपूर्ण संस्था है, संविधान के दायरे के भीतर लोगों के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों के संदर्भ में। उद्घाटन सत्र को राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी संबोधित किया।

राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने राज्यपालों से आग्रह किया कि वे केंद्र और राज्य के बीच एक प्रभावी सेतु की भूमिका निभाएं तथा लोगों और सामाजिक संगठनों के साथ इस तरह से संवाद करें कि वंचित लोगों को भी इसमें शामिल किया जा सके। विज्ञप्ति के अनुसार, शनिवार को समाप्त होने वाले इस सम्मेलन में उन विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जो न केवल केंद्र-राज्य संबंधों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि आम लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देने में भी सहायक होते हैं।

मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र के सुचारू संचालन के लिए यह महत्वपूर्ण है कि विभिन्न केंद्रीय एजेंसियां सभी राज्यों में बेहतर समन्वय के साथ काम करें।

भारत-अमेरिका अंतरिक्ष मिशन के लिए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को चुना गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को घोषणा की कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए आगामी भारत-अमेरिका मिशन के वास्ते चुना गया है।

इसरो के सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ऐसा नासा द्वारा मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता एक्सिओम स्पेस इंक की सिफारिश पर किया गया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में इसरो ने कहा कि उसके मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र ने आईएसएस के लिए अपने चौथे मिशन के लिए अमेरिका के एक्सिओम स्पेस इंक के साथ अंतरिक्ष उड़ान समझौता किया है और 'नेशनल मिशन असाइनमेंट बोर्ड' ने दो गगनयात्रियों (अंतरिक्ष यात्रियों) – ग्रुप कैप्टन शुक्ला (प्रधान) और ग्रुप कैप्टन नायर के नाम की सिफारिश की है।

वायनाड भूस्खलन मामले पर बयान को लेकर

रमेश ने गृह मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव का नोटिस दिया और आरोप लगाया कि वायनाड में भूस्खलन की घटना के संदर्भ में शाह ने यह बोलकर सदन को गुमराह किया कि केंद्र की ओर से केरल सरकार को पहले सतर्क कर दिया गया था। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा में कहा था कि केरल में भूस्खलन की विनाशकारी घटना से सात दिन पहले ही राज्य सरकार को पूर्व चेतावनी दे दी गई थी और 23 जुलाई को एनडीआरएफ की नौ टीमों को भी वहां रवाना कर दिया गया था, राज्य सरकार यदि इन टीमों को देखकर भी 'अलर्ट' हो गई होती तो काफी कुछ बच सकता था। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक रमेश ने सभापति को सौंपे नोटिस में कहा कि 31 जुलाई, 2024 को राज्यसभा में वायनाड भूस्खलन पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में गृह मंत्री ने कई दावे किए और मीडिया में इन दावों की पड़ताल दी गई। रमेश ने कहा, यह स्पष्ट है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा जारी प्रारंभिक चेतावनियों पर अपने बयानों से राज्यसभा को गुमराह किया। उनकी बात असत्य साबित हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह स्थापित हो चुका है कि किसी मंत्री या सदस्य द्वारा सदन को गुमराह करना विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है।

किसानों के लिए सब्सिडी जारी रहेगी

नई दिल्ली/एजेन्सी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राज्यसभा में खेती किसानी के कल्याण और विकास के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और कृषि लागत घटाने के लिए सब्सिडी जारी रहेगी। चौहान ने सदन में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कार्यकरण पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि मोदी सरकार के आने बाद देश में नया विश्वास आया और खेती किसानी में नया युग आरंभ हुआ। कृषि क्षेत्र का उत्पादन बढ़ा है और लागत घटी है। किसानों को प्राकृतिक आपदा में राहत दी गयी है। आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित पृथ्वी रहनी चाहिए। इसके लिए सरकार ने दीर्घकालीन योजना बनायी है। उन्होंने कहा कि सरकार निरंतर किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए काम करती रहेगी।

52 साल बाद भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और पी आर श्रीजेश की अद्भुत गोलकीपिंग के दम पर भारत ने 52 साल बाद ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को हराते हुए आखिरी ग्रुप मैच में इस दिग्गज प्रतिद्वंद्वी पर 3 . 2 से जीत दर्ज की।

भारत ने आखिरी बार पुरुष हॉकी में ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को 1972 म्युनिख खेलों में हराया था। वहीं सिडनी ओलंपिक 2000 में ऑस्ट्रेलिया से 2 . 2 से ग्रुप मैच ड्रॉ रहा था। ऑस्ट्रेलिया ने टोक्यो ओलंपिक 2021 में ग्रुप मैच में भारत पर 7-1 से जीत दर्ज की थी। टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता भारत के लिए जहां श्रीजेश ने सही मायने में 'दीवार' की तरह काम करते हुए असंख्य गोल बचाए तो हर मैच में गोल करते आए हरमनप्रीत ने उस सिलसिले को बरकरार रखा।

ट्राई के नए नियम जारी

सेवा बाधित होने पर दूरसंचार कंपनियां उपभोक्ताओं को देंगी मुआवजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

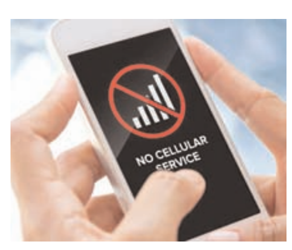

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार नियामक ट्राई ने शुक्रवार को नए सेवा गुणवत्ता मानकों को जारी किया जिसमें दूरसंचार कंपनियों को जिला स्तर पर 24 घंटे से अधिक समय तक सेवा बाधित रहने पर ग्राहकों को मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नए नियमों के तहत प्रत्येक गुणवत्ता मानक को पूरा करने में विफल रहने पर दंडात्मक राशि को 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया है। नियामक ने संशोधित नियमों ''पहुंच (वायरलाइन और वायरलेस) और ब्रॉडबैंड (वायरलाइन और वायरलेस) सेवा गुणवत्ता मानक विनियम, 2024'' के तहत नियम उल्लंघन के विभिन्न पैमानों के लिए एक लाख रुपये, दो लाख रुपये, पांच लाख रुपये और 10 लाख रुपये की श्रेणीबद्ध जुर्माना प्रणाली शुरू की है।

नए मानदंड तीन अलग-अलग विनियमों – बेसिक तथा सेल्युलर मोबाइल सेवाओं, ब्रॉडबैंड सेवाओं, और ब्रॉडबैंड वायरलेस सेवाओं के लिए सेवा की गुणवत्ता का स्थान लेते हैं।

नए नियमों के मुताबिक, किसी जिले में नेटवर्क बाधित होने की स्थिति में दूरसंचार परिचालकों को पोस्टपेड ग्राहकों के लिए किराए में छूट देनी होगी जबकि प्रीपेड ग्राहकों के लिए कनेक्शन की वैधता बढ़ानी होगी।

ट्राई ने कहा, ''यदि कोई ऐसी नेटवर्क गतिरोध 24 घंटे से अधिक समय तक जारी रहता है, तो सेवा प्रदाता अगले बिल में उसे जिले के पंजीकृत ग्राहकों को छूट देगा।''

इजराइल में रह रहे भारतीयों को सतर्क रहने की सलाह

तेल अवीव/भाषा। भारतीय दूतावास ने यहां शुक्रवार को इजराइल में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी कि वे सतर्क रहने के साथ स्थानीय प्रशासन की ओर से सुझाए गए सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। इजराइल के हमले में एक के बाद एक दो हमास नेताओं और हिजबुल्ला के एक कमांडर के मारे जाने के बाद पश्चिम एशिया में नए सिरे से बढ़े तनाव के मद्देनजर भारतीय दूतावास ने यह परामर्श जारी किया। पिछले महीने हमास नेता इस्माइल हनियेह की ईरान में हत्या कर दी गई जबकि हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख मोहम्मद जेफ गाजा में मारा गया। लेबनान में सक्रिय हिजबुल्ला का कमांडर फौद शुकूर बेरूत पर किए गए हवाई हमले में मारा गया।

पदक का 'लक्ष्य', सेमीफाइनल में पहुंचकर रचा इतिहास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। लक्ष्य सेन ने एक गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए चीनी ताइपै के चोउ तियेन चेन को रोमांचक मुकाबले में हराकर पेरिस ओलंपिक पुरूष एकल बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया । वह ओलंपिक में पुरूष एकल अंतिम चार में पहुंचने वाले पहले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बने ।

अलमोड़ा के बाईस वर्ष के विश्व चैम्पियनशिप 2021 कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने 75 मिनट तक चले कड़े क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 2022 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता चेन को 19-21, 21-15, 21-12 से हराया ।

पी वी सिंधू और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी के हारने के बाद अब पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में सारी उम्मीदें लक्ष्य पर टिकी हैं ।

भारत के लिये ओलंपिक में महिला एकल बैडमिंटन में साइना नेहवाल (2012) कांस्य, रजत (2016) और कांस्य (2020) जीत चुकी हैं ।

राष्ट्रमंडल चैम्पियन लक्ष्य का सामना अब 2021 के विश्व चैम्पियन सिंगापुर के लोह कीन यू और ओलंपिक चैम्पियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलेसन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा ।

भारत के लिये ओलंपिक बैडमिंटन पुरूष एकल स्पर्धा में पारुपल्ली कश्यप 2012 लंदन ओलंपिक में और किदाम्बी श्रीकांत 2016 रियो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे ।

लक्ष्य इससे पहले पिछले पांच में से चार मैच चेन से हार चुके थे । दोनों के बीच मुकाबला बराबरी का था और पासा पल पल पलटता रहा । दोनों ने लंबी रेलियां लगाई और पिछड़कर वापसी करते रहे ।

पहले गेम में एक समय स्कोर 15-15 से बराबर था और लक्ष्य ने तीन अंक की बढत बना ली ।

रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग बढाएंगे भारत और वियतनाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

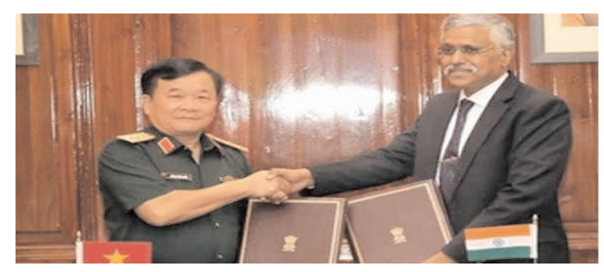

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत और वियतनाम साइबर सुरक्षा, सूचना सुरक्षा, सैन्य चिकित्सा और पनडुब्बी खोज एवं बचाव जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढायेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि दोनों देशों के बीच 14वीं भारत-वियतनाम रक्षा नीति वार्ता बृहस्पतिवार को यहां हुई। वार्ता की सह-अध्यक्षता रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा उप मंत्री वरिष्ठ लेफ्टिनेंट जनरल होआंग जुआन चिएन ने की।

बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के मुद्दों की समीक्षा की और जून 2022 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की वियतनाम यात्रा के दौरान '2030 की ओर, भारत-वियतनाम रक्षा साझेदारी पर संयुक्त विजन वक्तव्य' पर हस्ताक्षर करने के बाद संबंधों में हुई प्रगति का उल्लेख किया।

वियतनाम ने सहयोग के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों का प्रस्ताव रखा, जिनमें प्रतिनिधिमंडल का आदान-प्रदान और संवाद, स्टाफ-वार्ता, सेनाओं के बीच परस्पर सहयोग, रक्षा और प्रशिक्षण तथा रक्षा उद्योग सहयोग शामिल हैं। रक्षा सचिव ने पाँच सूत्री प्रस्ताव का स्वागत किया तथा साइबर सुरक्षा, सूचना सुरक्षा, सैन्य चिकित्सा, पनडुब्बी खोज एवं बचाव जैसे दोनों देशों के लिए चिंता के उभरते क्षेत्रों में सहयोग का प्रस्ताव रखा।

रक्षा सचिव ने मित्र देशों की क्षमता और क्षमता वृद्धि को पूरा करने के लिए घरेलू रक्षा उद्योग की क्षमता पर प्रकाश डाला तथा वियतनाम पीपुल्स आर्म्ड फोर्सेज और उनके उद्योगों के साथ उपयोगी साझेदारी के प्रति आशा व्यक्त की। बैठक के बाद, रक्षा सचिव और वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा उप मंत्री ने प्रशिक्षकों और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान सहित प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अजीब हालत

सोने के भाव घटे चाहे,
मुश्किल में है जगना सोना।
हर तरफ मची है लूट आज,
इसका ही है सबको रोना।
सब कुछ ही है अब आरक्षित,
संरक्षित ना कोई कोना।
खो चुके मूल्य हम जीवन के,
बस शेष रहा जीवन खोना।।

स्वार्थ ही आधुनिक जगत के दुःखों का महत्वपूर्ण कारण है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि स्वार्थ ने मनुष्य की जिंदगी में बहुत उत्पात मचाये हैं। वर्षों पुराने घनिष्ट संबंधों को इसने चूर चूर किया है। स्वार्थवश प्रतिदिन हजारों घर और लाखों जिंदगियां उजड जाती हैं। इतना कुछ होते, देखते, समझते हुए भी आज का इंसान नहीं संभालता। स्वार्थ एक ऐसा जहरीला तत्व है जो स्वहित के लिये दूसरे की जिंदगी को तबाह करने को सदैव तत्पर रहता है। यह मैत्री भावना, सेवा, सहयोग, स्नेह-संबंध, बलिदान, करुणा, उदारता जैसे सैकड़ों अनमोल मानवीय गुणों की कत्ल कर देता है। इसके लिए धर्म, राष्ट्र, समाज, स्वजन या परिवार, कोई मायने नहीं रखते। आज संसार में जितनी समस्याएं और विषमताएं हैं, उनमें कमोबेश स्वार्थ की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए यह कहना होगा कि निःस्वार्थ मनुष्य वास्तव में वंदनीय हैं।

2500 वर्ष पुरानी मगध की ऐतिहासिक घटनाओं का तलस्पर्शी विश्लेषण करते हुए जैनाचार्य ने मनुष्य के स्वार्थपरक जीवन और उसके परिणाओं की मार्मिक विवेचना की। उन्होंने कहा कि स्वार्थ और साधना, दोनों विपरीत तत्व हैं। जहां स्वार्थ होता हैं, वहां कभी साधना तो क्या, सज्जनता भी उपस्थित नहीं होती। स्वार्थ निपट अंधा होता है। वह स्वयं के अलावा किसी को नहीं देखता। स्वार्थ ही आधुनिक जगत के दुःखों का महत्वपूर्ण कारण है। स्वार्थी मनुष्य भगवान को भूल जाता है, गुरु के साथ द्रोह कर सकता है, धर्म को छोड़ सकता है, समाज को छिन्नभिन्न कर सकता है, परिवार को तबाह कर सकता है, संबंधों को आग लगा सकता है। स्वार्थ को कोई परहेज नहीं होता। इसलिए धर्मशास्त्रों में कहा है कि स्वार्थी मनुष्य नरकगामी होते हैं। ऐसे दुर्जन तत्वों की वक्त पर कोई सहायता करने नहीं आता। स्वार्थ एक न एक दिन खून के आंसू रुलाता है। दुनिया परमार्थियों को याद करती हैं, स्वार्थियों पर थूंकती हैं। स्वार्थी मनुष्य पर कोई विश्वास नहीं करता। ज्ञानचर्चा सत्र में गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि देव-गुरु-धर्म की भक्ति सद्गुणों की प्राप्ति के लिए हैं। गुणों के विकास के बिना अवगुणों का स्वतः नाश नहीं होगा।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि शनिवार को ओसवाल, पोरवाल व श्रीमाली जैन जातियों का स्थापना दिवस होने से शिक्षक सदन में भव्य समारोह का आयोजन किया गया है। तीर्थंकर पार्श्वनाथ की परंपरा के उपकारी आचार्यों को याद कर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी। अशोक दांतेवाड़िया ने जानकारी दी कि 2475 वर्ष पूर्व मरुभूमि मारवाड़ में ओसवाल, पोरवाल व श्रीमाली जैन जातियों की स्थापना हुई थीं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी उनके उद्भव और विकास की गौरवगाथा का इतिहास प्रस्तुत करेंगे।

मन विवेक से गुण को ग्रहण करता है : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि भगवान महावीर ने आत्मा को सामायिक मानी है। जड़-जड़ है चैतन्य गुण का अभाव होता है। समझ में विवेक आता है तब वह आत्मा चरित्र में रुचि लेती है। वर्तमान में मनुष्य को चरित्र संवारने की शिक्षाएं कम सिखाई जा रही है, परन्तु वर्तमान काल में चरित्र की शिक्षा बहुत ही अल्प मात्रा में भी नहीं दी जा रही है। बिना चरित्र का मानव मानो नाथ बिना का बैल, अंकुश बिना का हाथी और शिक्षक बिना का स्कूल हो जाता है। चारित्र में प्रथम पांच यम सत्य अहिंसा अचौर्य-सदाचार मर्यादामय साधनों के आधार पर जीवन जीता हो, वही चारित्र का वास होता है। संसार गुण-दोषों से भरा है। मन विवेक से गुण को ग्रहण करता है और अविवेक से दोष ग्रहण करता है। मनुष्य को जीवन में गुणों की सौरभ पैदा करनी चाहिए। महामंत्री संपतराज मांडोत ने सभी का आभार व्यक्त किया। संघ प्रवक्ता प्रसन्नचंद मांडोत ने सभी का स्वागत किया।

इंफोसिस को भेजा 32,400 करोड़ रु. का नोटिस कर्नाटक जीएसटी प्राधिकरण ने वापस लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के कर्नाटक प्राधिकरण ने दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस को भेजा गया लगभग 32,400 करोड़ रुपये की मांग का कारण बताओ नोटिस वापस ले लिया है।

इसके साथ ही कर्नाटक प्राधिकरण ने आईटी कंपनी को निर्देश दिया है कि वह इस मसले पर जीएसटी आसूचना महानिदेशालय (डीजीजीआई) के केंद्रीय प्राधिकरण को एक नया जवाब दे।

डीजीजीआई जीएसटी, केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर के उल्लंघन से संबंधित मामलों के लिए शीर्ष आसूचना एवं जांच एजेंसी है। इसे अप्रत्यक्ष कर कानूनों के अनुपालन में सुधार करने का कार्य सौंपा गया है। इन्फोसिस ने बीएसई को बृहस्पतिवार शाम को दी सूचना में कहा था कि कर्नाटक राज्य अधिकारियों ने उसे भेजे गए कारण बताओ नोटिस को वापस लेने और कंपनी को इस मामले पर डीजीजीआई केंद्रीय प्राधिकरण को एक और जवाब देने का निर्देश दिया है।

देश की दूसरी बड़ी आईटी कंपनी बुधवार को उस समय सुर्खियों में आ गई थी जब जीएसटी अधिकारियों ने कंपनी को 2017 से शुरू होने वाले पांच वर्षों के लिए अपनी विदेशी शाखाओं से मिली सेवाओं पर 32,403 करोड़ रुपये का नोटिस दिया। हालांकि इन्फोसिस ने इसे पूर्व-कारण बताओ नोटिस बताते हुए कहा था कि संबंधित मामले में उसकी जीएसटी देनदारी नहीं बनती है।

सॉफ्टवेयर कंपनियों के राष्ट्रीय संगठन नैसकॉम ने भी बृहस्पतिवार को इन्फोसिस के पक्ष में बयान देते हुए कहा था कि यह नोटिस उद्योग के परिचालन मॉडल से जुड़ी समझ की कमी को दर्शाता है।

एसकेआई कैपिटल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी नरिंदर वाधवा ने कहा कि बाजार की स्थिरता और निवेशकों का विश्वास बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जोखिम वाली कंपनियों के खिलाफ मामलों को आगे बढ़ाने से पहले पूरी तरह से जांच की जानी चाहिए और स्पष्ट सबूत होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीएसटी विभाग को बड़ी और प्रतिष्ठित कंपनियों, खासकर इन्फोसिस जैसी कंपनियों के खिलाफ नोटिस जारी करते समय सावधान रहना चाहिए, जिनका व्यवसाय काफी हद तक अंतरराष्ट्रीय है।

उन्होंने कहा कि आरोप और प्रतिष्ठा को नुकसान इन कंपनियों के व्यावसायिक संचालन और बाजार की स्थिति को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है।

पति ने की पत्नी की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चामराजपेट पुलिस थाना क्षेत्र में अपने मायके में रह रही पत्नी की पति ने हत्या कर दी। पति तवरेज पासा (38) ने अपने सुसराल चामराजपेट के एमडी ब्लॉक में रह रही अपनी पत्नी सैयद फाजिल फातिमा (34) की चाकू से गोद कर हत्या कर दी।

जानकारी के अनुसार तवरेज पासा की शादी फातिमा से नौ साल पहले हुई थी। इनके दो बच्चे थे। फातिमा अपने पति के व्यवहार से परेशान होकर अपने अभिभावकों के घर आ गई थी। कल पति तवरेज पासा ने फातिमा के घर जाकर फेस बुक पर लाइव वीडियो डाला। फिर बाद में वह घर में जाकर फातिमा पर चाकू से कई बार हमला किया। फातिमा की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। तवरेज फिर वहां से वह चाकू लेकर फरार हो गया। आसपास के सीसीटीवी में तवरेज पासा घर में जाते हुए देखा गया और वहां से वह चाकू लेकर बाहर निकलता दिखाई दे रहा है। पुलिस तवरेज की तलाश कर रही है।

देश में निर्माण होने पर जनहित याचिकाएं क्यों दायर की जाती हैं: शीर्ष अदालत हैरान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विकास और पारिस्थितिकी संतुलन को महत्वपूर्ण बताते हुए उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इस बात पर हैरानी जतायी कि जब राजमार्ग जैसी ढांचागत परियोजनाएं शुरू की जाती हैं तो जनहित याचिकाएं (पीआईएल) क्यों दायर की जाती हैं?

शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी गोवा में तिनैघाट-वास्को डी गामा मार्ग के वास्को डी गामा-कुलेम खंड पर रेलवे पटरियों के दोहरीकरण से जुड़े निर्माण कार्य पर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, हम केवल यह सोच रहे हैं कि ऐसा केवल इस देश में ही क्यों होता है कि जब आप हिमाचल प्रदेश में सड़क बनाना शुरू करते हैं, तो जनहित याचिकाएं आ जाती हैं। जब आप राजमार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग बनाना शुरू करते हैं, तो जनहित याचिकाएं आ जाती हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, आप हमें एक भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बताएं जहां रेलवे की सुविधा नहीं है। पीठ ने कहा, आल्प्स पर्वत पर जाएं और वे आपको ट्रेन में बर्फ के बीच से ले जाएंगे।

शीर्ष अदालत बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ के अगस्त 2022 के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने रेलवे पटरी के दोहरीकरण के निर्माण से संबंधित एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया था। याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय में आरोप लगाया था कि निर्माण कार्य वर्ष 2011 के तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना, गोवा सिंचाई अधिनियम-1973, गोवा पंचायत राज अधिनियम-1994 और गोवा शहर एवं नगर नियोजन कानून के तहत पूर्व अनुमति प्राप्त करने के वैधानिक आदेश का उल्लंघन करके किया जा रहा था।

शुक्रवार को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि यह परियोजना गोवा में रेलवे नेटवर्क को मजबूत करेगी और सड़क परिवहन पर बोझ को कम करने में मदद करेगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने अनियोजित विकास के खतरों पर प्रकाश डालते हुए केरल के वायनाड जिले की हालिया घटना का जिक्र किया जहां भूस्खलन ने 195 लोगों की जान ले ली। गोवा में रेलवे लाइन परियोजना पर पीठ ने कहा कि विशेषज्ञ हैं जो हर चीज की जांच करेंगे।

राज्यसभा में जब जया बच्चन की टिप्पणी पर हंसी नहीं रोक पाए सदस्य

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में शुक्रवार को उस समय सदस्य अपनी हंसी नहीं रोक पाए जब समाजवादी पार्टी (सपा) सदस्य जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ से सवाल किया कि क्या उन्हें आज लंच ब्रेक मिला? जया बच्चन ने कहा, सर, मैं जया अमिताभ बच्चन आपसे कुछ पूछना चाहती हूं। सभापति धनखड़ इतना सुनते ही खिलखिलाकर हंस पड़े। सदस्यों के ठहाकों के बीच जया बच्चन ने धनखड़ से कहा, क्या आज आपको लंच ब्रेक मिला? नहीं मिला। तभी आप जयराम जी (कांग्रेस सांसद जयराम रमेश) का नाम ले रहे हैं। आप जब तक उनका नाम नहीं लेते, तब तक आपका खाना हजम नहीं होता है।

इस पर सभापति ने कहा, मैंने लंच के टाइम लंच नहीं किया, लेकिन उसके बाद जयराम रमेश के साथ ही लंच किया, और आज ही किया। उन्होंने जया बच्चन से यह भी कहा, मैं यह बता दूं कि यह पहला मौका है शायद, मैं आपका भी फैन हूं और अमिताभ जी का भी। सभापति और जया बच्चन के बीच की इस बातचीत के दौरान पूरे सदन में ठहाके लगते रहे। उच्च सदन में यह वाकया उस समय हुआ जब द्रमुक सदस्य मोहम्मद अब्दुल्ला के एक निजी संकल्प पर चर्चा हो रही थी। गौरतलब है कि जया बच्चन ने पिछले दिनों राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश द्वारा उन्हें 'जया अमिताभ बच्चन' के नाम से पुकारे जाने पर नाराजगी जतायी थी।

आदर्श कॉलेज में विद्यार्थी प्रतिनिधियों ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित आदर्श कॉलेज में विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। आबकारी निरीक्षक शिवशंकर आराध्य इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।समारोह की अध्यक्षता आदर्श कॉलेज के सचिव जितेन्द्र मरडिया ने की। इस मौके पर पूर्व छात्र रजत अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. एस. प्रशांत ने सभी का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि शिवशंकर आराध्य ने सभा को संबोधित किया और छात्रों को प्रेरित किया। शिवशंकर आदर्श कॉलेज के पूर्व छात्र थे जिन्होंने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा छात्रों को अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी तरह की उपलब्धि के लिए अनुशासन और समर्पण महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रों को मोबाइल फोन की लत से बचने की सलाह दी, क्योंकि इससे उनका ध्यान भटकता है। मुख्य अतिथि ने पीयू प्रथम और द्वितीय कक्षाओं के हेड बॉय, हेड गर्ल, सचिवों और कक्षा प्रतिनिधियों को बैज प्रदान किए। प्राचार्य डॉ. एस. प्रशांत ने शपथ दिलाई।

भारत को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय के एक-चौथाई तक पहुंचने में लग सकते हैं 75 सालः विश्व बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत समेत 100 से अधिक देशों को अगले कुछ दशकों में उच्च आय वाला देश बनने में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है और भारत को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय के एक-चौथाई तक पहुंचने में भी लगभग 75 साल लग सकते हैं। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

विश्व बैंक की 'विश्व विकास रिपोर्ट 2024: मध्यम आय जाल' के मुताबिक, चीन को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय के एक-चौथाई तक पहुंचने में 10 साल से अधिक और इंडोनेशिया को लगभग 70 साल लगेंगे। इस रिपोर्ट में पिछले 50 वर्षों के अनुभव के आधार पर पाया गया है कि जैसे-जैसे देश अमीर होते जाते हैं, वे आम तौर पर प्रति व्यक्ति वार्षिक अमेरिकी जीडीपी के लगभग 10 प्रतिशत के 'जाल' में फंस जाते हैं। यह 10 प्रतिशत राशि आज 8,000 अमेरिकी डॉलर के बराबर है। वर्ष 2023 के अंत में विश्व बैंक ने 108 देशों को मध्यम आय वर्ग के रूप में वर्गीकृत किया था। इनकी प्रति व्यक्ति वार्षिक जीडीपी 1,136 अमेरिकी डॉलर से लेकर 13,845 अमेरिकी डॉलर के बीच थी।

इन देशों में छह अरब लोग रहते हैं, जो वैश्विक आबादी का 75 प्रतिशत है। दुनिया में हरेक तीन में से दो लोग अत्यधिक गरीबी में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन देशों के लिए आगे की राह में कई चुनौतियां हैं। इनमें तेजी से उम्रदराज हो रही जनसंख्या और बढ़ता कर्ज, तेज भू-राजनीतिक और व्यापार गतिरोध और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना आर्थिक प्रगति में मुश्किलें शामिल हैं।

दिल्ली कोचिंग सेंटर मौत मामले की जांच उच्च न्यायालय ने सीबीआई को सौंपी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने यहां राजेंद्र नगर में स्थित एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की डूबने से हुई मौत के मामले की जांच शुक्रवार को दिल्ली पुलिस से सीबीआई को सौंप दी। उच्च न्यायालय ने इस मामले की जांच सीबीआई को ''यह सुनिश्चित करने के लिए सौंपी कि जनता को जांच पर कोई संदेह न हो। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने आपराधिक मामले में सीबीआई द्वारा की जाने वाली जांच की निगरानी के लिए सीवीसी को एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करने को कहा। अदालत ने कहा, घटना की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता को जांच के संबंध में कोई संदेह न हो, यह अदालत मामले की जांच सीबीआई को सौंपती है।

5 साल में 100 वंदे भारत समेत 772 नई रेल सेवाएं शुरू की गईंः रेल मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 2019-2020 से 2023-2024 तक भारतीय रेलवे नेटवर्क में 100 वंदे भारत सहित 772 ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं। रेल मंत्री ने शुक्रवार को राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित जवाब में बताया ''विभिन्न वर्गों के यात्रियों की यात्रा संबंधी जरूरतें पूरी करने के लिए, भारतीय रेलवे विभिन्न प्रकार की सेवाओं जैसे एक्सप्रेस ट्रेनें, सुपरफास्ट ट्रेनें, पैसेंजर/मेमू/डेमू ट्रेनें और उपनगरीय सेवाएं शुरू करती है और उनका संचालन करती है। भाजपा सांसद नीरज शेखर ने उनसे 2024-25 के दौरान प्रस्तावित नई ट्रेनों की संख्या और पिछले पांच वर्षों में शुरू की गई वंदे भारत, राजधानी और अन्य ट्रेनों जैसी नई ट्रेनों की वर्षवार और क्षेत्रवार जानकारी मांगी थी। वैष्णव ने कहा, वर्ष 2019-2020 से 2023-2024 की अवधि के दौरान, भारतीय रेलवे नेटवर्क पर 100 वंदे भारत ट्रेनों सहित 772 ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं। भारतीय रेलवे पर ट्रेन सेवाओं की शुरुआत एक सतत प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालन व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

जर्मनी की डॉयचे एयरक्राफ्ट ने बेंगलूरु स्थित एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज के साथ की साझेदारी

बेंगलूरु/मुंबई। जर्मनी की विमान विनिर्माता डॉयचे एयरक्राफ्ट ने 40 सीट वाले टर्बोप्रॉप क्षेत्रीय विमान डी328ईको के लिए बेंगलुरु स्थित एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने बयान में कहा, इस रणनीतिक सहयोग के तहत एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज क्षेत्रीय विमानों के लिए इलेक्ट्रिकल वायरिंग इंटरकनेक्शन सिस्टम का विशेष डिजाइन प्रदान करेगी, जो वैश्विक स्तर पर एयरोस्पेस इंजीनियरिंग को आगे बढ़ाने के प्रयासों में उपलब्धि साबित होगी। डॉयचे एयरक्राफ्ट के मुख्य परिचालन अधिकारी निको न्यूमैन ने कहा, हम डी328ईको कार्यक्रम में भागीदार के रूप में एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज का स्वागत करते हैं। शीर्ष-स्तरीय एयरोस्पेस वायरिंग समाधान विकसित करने और वितरित करने के लिए उनकी प्रतिष्ठा डी328ईको के लिए हमारी आवश्यकताओं के साथ मेल खाती है। एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक चंद्रशेखर एच जी ने कहा, यह साझेदारी एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी में नवप्रवर्तक के रूप में हमारी स्थिति की पुष्टि करती है।

सावन की शिवरात्रि पर भगवान शंकर के अभिषेक के साथ कांवड़ मेला संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार/भाषा। सावन की शिवरात्रि के मौके पर शुक्रवार को शिवालयों में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान शंकर का अभिषेक करने के साथ ही यहां पिछले 14 दिनों से जारी कांवड़ मेला संपन्न हो गया। इस दौरान, साढ़े चार करोड़ शिवभक्त गंगाजल लेने उत्तराखंड आए।

शिव की ससुराल माने जाने वाले कनखल के दक्षेश्वर महादेव मंदिर में बृहस्पतिवार मध्यरात्रि से ही शिवभक्तों की भीड़ लगनी शुरू हो गई थी। मान्यता है कि सावन में भगवान शिव इस मंदिर में एक माह के लिए वास करते हैं और जो भक्त उनका दूध, शहद, बेलपत्र और गंगाजल से अभिषेक करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, इस साल कांवड़ मेले में साढ़े चार करोड़ कांवड़िए गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार पहुंचे।

कांवड़ मेले के निर्विघ्न संपन्न होने के अवसर पर हरिद्वार के जिलाधिकारी धीरज गर्ब्याल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोभाल सहित अन्य प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों ने भी हर की पौड़ी से गंगाजल भर कर दक्षेश्वर महादेव मंदिर में भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर दक्षेश्वर महादेव मंदिर कनखल के प्रबंधक एवं श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा के सचिव महंत रविंद्र पुरी महाराज ने सभी अधिकारियों का स्वागत किया और उन्हें आशीर्वाद दिया।

पुत्तूर बाईपास रोड पर भूस्खलन, राष्ट्रीय राजमार्ग 275 पर यातायात बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलुरु में पुत्तूर बाईपास रोड पर भूस्खलन हो गया, जिससे वहां यातायात बाधित हो गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुत्तूर बाईपास रोड को बंटवाल-मैसूरु रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग 275 के नाम से भी जाना जाता है। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों के हवाले से बताया कि पुत्तूर बाईपास रोड पर शुक्रवार को तड़के करीब तीन बजे भूस्खलन हुआ, जिसके बाद मैसूरु और मंगलूरु जाने वाले वाहनों को पुत्तूर कस्बे से होकर गुजरना पड़ा रहा है।

पुलिस के अनुसार, भूस्खलन होने के कारण वहां अभी तक किसी व्यक्ति या वाहन के फंसने की कोई सूचना नहीं है। भूस्खलन स्थल के दोनों तरफ अवरोधक लगा दिए गए हैं, जिससे पुत्तूर शहर से गुजरने वाले यातायात के मार्ग में बदलाव हुआ है। पुलिस भी यातायात नियंत्रित करने के प्रयास कर रही है। राज्य राजमार्ग विभाग ने घटनास्थल पर कई श्रमिकों और उत्खनन मशीनें भेजकर सुबह आठ बजे मलबा हटाने का काम शुरू किया। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र ने तटीय और आंतरिक तटीय क्षेत्रों में और अधिक बारिश की संभावना जताई है, जिससे प्रभावित हिस्सों में मलबा हटाने के काम में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

रिकॉर्ड 7.28 करोड़ आयकर रिटर्न तय सीमा तक हुए दाखिलः कर विभाग

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने शुक्रवार को कहा कि 31 जुलाई की निर्धारित समयसीमा तक रिकॉर्ड 7.28 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है। कर विभाग ने एक बयान में कहा कि आकलन वर्ष 2024-25 के लिए रिकॉर्ड 7.28 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए हैं। पिछले साल 6.77 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए थे।

विभाग के बयान के मुताबिक, आकलन वर्ष 2024-25 के लिए दाखिल किए गए कुल 7.28 करोड़ आईटीआर में से नई कर व्यवस्था के तहत 5.27 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं। वहीं पुरानी कर व्यवस्था में दाखिल रिटर्न की संख्या 2.01 करोड़ है। इस प्रकार, लगभग 72 प्रतिशत करदाताओं ने नई कर व्यवस्था को चुना है, जबकि 28 प्रतिशत करदाता पुरानी कर व्यवस्था में बने हुए हैं। वेतनभोगी करदाताओं और अन्य गैर-कर लेखा परीक्षा मामलों के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई, 2024 थी। इस समयसीमा के अंतिम दिन यानी 31 जुलाई को 69.92 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल किए गए। पहली बार रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 58.57 लाख थी, जो कर आधार के विस्तार का एक अच्छा संकेत है। ऐतिहासिक रूप से पहली बार आईटीआर (आईटीआर-1, आईटीआर-2, आईटीआर-4, आईटीआर-6) को वित्त वर्ष के पहले दिन यानी एक अप्रैल, 2024 को ही विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया था।

हमारी सरकार उभरते उद्यमियों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी : सिद्दरामय्या

मुख्यमंत्री ने 13वें बेंगलूरु इंडिया नैनो कार्यक्रम का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को 13वें बेंगलूरु इंडिया नैनो कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज इस प्रतिष्ठित नैनो टेक्नोलॉजी कार्यक्रम में भारत और विदेश के विचारकों, अग्रणी वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, प्रौद्योगिकीविदों और उद्योग जगत के प्रमुख लोगों के बीच मौजूद होकर बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने प्रो. अरिंदम घोष को बधाई दी, जिन्हें प्रतिष्ठित प्रो. सीएनआर राव बेंगलूरु इंडिया नैनो साइंस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित किसी भी गतिविधि का हिस्सा बनना मेरे लिए सदैव उत्साहवर्धक एवं आनंददायक अनुभव होता है। कर्नाटक हमेशा से न केवल अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए, बल्कि शैक्षणिक और शोध गतिविधियों के मजबूत आधार के लिए भी जाना जाता है। प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों के मामले में हमारा राज्य हमेशा अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आईआईएससी, जेएनसीएएसआर, एनसीबीएस, सीईएनएस जैसे प्रमुख शोध संस्थानों के सहयोग से बेंगलूरु भारत के नैनो प्रौद्योगिकी केंद्र में तब्दील हो जाएगा और आने वाले वर्षों में इस उभरती हुई प्रौद्योगिकी में अपना प्रमुख स्थान बनाए रखेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं अपने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, जल शुद्धीकरण, बुनियादी ढांचे, चिकित्सा, स्वास्थ्य देखभाल और अपशिष्ट प्रबंधन के साथ-साथ पर्यावरणीय खतरों से निपटने के लिए नवोन्मेषी नैनो प्रौद्योगिकी आधारित समाधान ढूंढ़ने का आह्वान करता हूं, जिनके शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि और जीवन शैली में बदलाव के कारण निकट भविष्य में कई गुना बढ़ने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि सूचना के आदान-प्रदान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, लागतों, जोखिमों को साझा करने, तकनीकी जानकारी तक पहुंच के साथ-साथ मानवता की भलाई के लिए प्रतिभा पूल विकसित करने के माध्यम से इस उभरती हुई प्रौद्योगिकी की क्षमता का दोहन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग मौलिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजन से नेटवर्किंग, ज्ञान साझा करने के लिए बातचीत, प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान, कौशल विकास और व्यावसायिक सहयोग के लिए पर्याप्त अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर हमारे युवा उद्यमियों को आमंत्रित करता हूं कि वे दूरदर्शी नेताओं और विशेषज्ञों के सहयोग और समन्वय के आधार पर राज्य में अपने नए उद्यम स्थापित करने के अवसर का लाभ उठाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार उभरते उद्यमियों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी, ताकि कर्नाटक को इस उभरते उद्योग के विकास के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि मैं, भारत रत्न प्रो. सीएनआर राव को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने साल 2007 से इस कार्यक्रम के आयोजन में निरंतर मार्गदर्शन दिया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

कर्नाटक के राज्यपाल केंद्र व भाजपा-जद (एस) की 'कठपुतली' की तरह काम कर रहे हैं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत पर हमला बोला और उन पर केंद्र सरकार और भाजपा-जद(एस) की ''कठपुतली'' के रूप में कार्य करने का आरोप लगाया।

सिद्दरामय्या ने उन्हें नोटिस जारी करने को अवैध और संविधान के विरुद्ध'' बताया, जिसमें उनसे पूछा गया है कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा साइट आवंटन में कथित अनियमितताओं के मामले में उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी क्यों न दी जाए।

अधिवक्ता-कार्यकर्ता टीजे अब्राहम द्वारा दायर याचिका के आधार पर राज्यपाल ने 26 जुलाई को नोटिस जारी कर मुख्यमंत्री को निर्देश दिया कि वे अपने (सिद्दरामय्या) खिलाफ लगे आरोपों पर सात दिनों के भीतर जवाब दें कि उनके खिलाफ मुकदमे की अनुमति क्यों न दी जाए। कर्नाटक सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यपाल को कारण बताओ नोटिस वापस लेने की सलाह दी थी। मुख्यमंत्री ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मेरी इसमें (घोटाले में) कोई भूमिका नहीं है। मेरी भूमिका कहां है?'' सिद्दरामय्या ने केंद्र सरकार पर राजभवन का ''दुरुपयोग'' करने और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया, ''राज्यपाल पूरी तरह से केंद्र सरकार, भाजपा-जनता दल (सेक्युलर) की कठपुतली के रूप में काम कर रहे हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बृहस्पतिवार की कैबिनेट बैठक में शामिल नहीं हुए क्योंकि वह ''गलत मिसाल'' कायम नहीं करना चाहते थे। उन्होंने बैठक की अध्यक्षता के लिए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को नामित किया था।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्यपाल को अब्राहम के पिछले रिकॉर्ड पर ध्यान देना चाहिए था। सिद्दरामय्या ने कहा, अगर आप अब्राहम के पिछले रिकॉर्ड को देखें, तो वह एक ब्लैकमेलर' है। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करना गैरकानूनी है। वह इस तरह से कई लोगों के खिलाफ शिकायतें करता रहा है। मैंने ऐसा कोई अपराध नहीं किया है।'' उन्होंने कहा कि अब्राहम ने 26 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी और उसी दिन राज्यपाल ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के पूर्व मंत्रियों - शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी और जी. जनार्दन रेड्डी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मांगने वाली इसी तरह की याचिकाएं थीं, लेकिन वे वर्षों से लंबित हैं और कोई कार्रवाई नहीं की गई। आरोप है कि मैसूरु के एक पॉश इलाके में मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को वैकल्पिक भूखंड आवंटित किए गए जिनकी कीमत एमयूडीए द्वारा 'अधिग्रहीत' उनकी जमीन के मूल्य की तुलना में अधिक है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक और बीमा), बेंगलूरु की 77वीं अर्धवार्षिक बैठक 31 जुलाई को यहां केनरा बैंक के प्रधान कार्यालय में हुई। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के सत्यनारायण राजू ने इसकी अध्यक्षता की। बैठक में केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक अशोक चंद्रा, भारतीय रिज़र्व बैंक की क्षेत्रीय निदेशक सोनाली सेन गुप्ता, विभिन्न बैंकों और बीमा कंपनियों के आंचलिक और क्षेत्रीय प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण) के उपनिदेशक अनिर्बान कुमार विश्वास भी मौजूद थे।

के सत्यनारायण राजू ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के अधिकतम प्रयोग पर जोर दिया। अशोक चंद्रा ने सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वे कार्यक्रमों में भाग लें तथा सुनिश्चित करें कि टीओएलआईसी व्यवस्था पूरे वर्ष सक्रिय बनी रहे। सोनाली सेन गुप्ता ने सभी सदस्य संगठनों से आह्वान किया है कि वे ओएल कार्यान्वयन सुनिश्चित करें। वर्ष 2023-24 के उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राजभाषा शील्ड योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों को पुरस्कृत किया गया। बैठक के दौरान 'प्रयास' पत्रिका के 49वें अंक का विमोचन किया गया।

शिवकुमार ने भाजपा के खिलाफ कांग्रेस के प्रदर्शन की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने शुक्रवार को कथित तौर पर केंद्र सरकार द्वारा कर वितरण और प्रदेश सरकार को अस्थिर करने के प्रयासों सहित राज्य के साथ किए गए अन्याय के खिलाफ रामनगर जिले के बिड़दी में विरोध प्रदर्शन किया।

उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने शुक्रवार से शुरू होने वाले छह दिवसीय प्रदर्शन की शुरुआत की। कांग्रेस की राज्य इकाई ने इस आंदोलन को 'जनआंदोलन' कहा है। यह आंदोलन कर्नाटक में भाजपा और जद (एस) शासन के दौरान हुए 'भ्रष्टाचार' के खिलाफ भी है।

भाजपा-जेडीएस पदयात्रा के खिलाफ शुक्रवार को बिड़दी में आयोजित जनांदोलन बैठक से पहले उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और मागड़ी विधायक बालकृष्ण की जोड़ी एक बाइक रैली में सवार होकर सभा स्थल की ओर जाते हुए।

शिवकुमार ने सभी वरिष्ठ नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के पदाधिकारियों, जिला और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों और स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों को इसमें भाग लेने का निर्देश दिया है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले को लेकर जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के बाद पार्टी यह विरोध प्रदर्शन कर रही है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती कथित तौर पर इसमें लाभार्थी हैं।

मुख्यमंत्री चंद्रू ने लोको पायलट पदों की परीक्षा में कन्नड़ भाषा को अनुमति देने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे की शनिवार को होने वाली सहायक लोको पायलट परीक्षा में केवल अंग्रेजी और हिंदी को अनुमति दी गई, विकल्प के रूप में कन्नड़ को अनुमति न देना साढ़े छह करोड़ कन्नड़वासियों का अपमान है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मुख्यमंत्री चंद्रू ने इस संदर्भ में रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना को पत्र लिखा है।

इन पदों के लिए मई में जारी सर्कुलर में कन्नड़ भाषा को भी अनुमति दी गई थी। अब यह वास्तव में एक त्रासदी है कि हिंदी और अंग्रेजी के साथ केवल तमिल भाषा को अनुमति देकर कन्नड़ भाषा को छोड़ दिया गया है।

दो महीने से कन्नड़ भाषा का अभ्यास कर रहे लाखों उम्मीदवार निराशा की स्थिति में हैं। रेल मंत्री ने तुरंत मांग की कि अन्याय को ठीक किया जाए।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मुख्यमंत्री चंद्रू ने मुख्यमंत्री

सिद्दरामय्या को पत्र लिखकर कर्नाटक लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 384 राजपत्रित परिवीक्षाधीन पदों की प्रारंभिक परीक्षा की तारीख इसी महीने 25 अगस्त को तय की है। लेकिन केंद्र सरकार आईबीपीएस ने बैंक क्लर्क पदों के लिए 24 अगस्त की तारीख तय की है।

दो पदों के लिए प्रैक्टिस कर रहे लाखों परीक्षार्थियों के साथ अन्याय हो रहा है। अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने तत्काल हस्तक्षेप करने और केएएस परीक्षा तिथि स्थगित करने की मांग की। इसके अलावा उन्होंने अपने पत्र में परीक्षा तिथि पर राज्य के कई जिलों से आने वाले परीक्षार्थियों के लिए मुफ्त बस और रेलवे व्यवस्था उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

एक मुश्त संपत्ति कर (ओटीएस) की अवधि एक महीने बढ़ाई गई : डीके शिवकुमार

31 तक कर सकते हैं सम्पत्ति कर भुगतान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, ''संपत्ति कर बकाएदारों के लिए लागू 'एकमुश्त राहत योजना' (ओटीएस) की समाप्ति (31 जुलाई) को देखते हुए, जनता के दबाव के कारण इसे एक महीने यानी 31 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। शुक्रवार को 11वें नैनो टेक्नोलॉजी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के बाद मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, 'अब तक 3,000 करोड़ रुपये का संपत्ति कर एकत्र किया गया है और 400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर एकत्र किया गया है। अधिकारियों और जनता का दबाव है कि कुछ बदलाव किए जाएं और ओटीएस की अवधि एक माह बढ़ा दी जाए। सर्वर की समस्या और कुछ अन्य लोगों द्वारा चेक जारी करने के कारण 31 जुलाई तक दी गई समयावधि को एक महीने यानी 31 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है।'

उन्होंने कहा कि बीबीएमपी में कुछ बदलाव इस तरह से किए जाएंगे कि जो लोग ईमानदारी से टैक्स चुका रहे हैं उन्हें परेशानी नहीं होगी। यदि किसी ने अधिक भुगतान किया है, तो अगली बार संपत्ति कर का भुगतान करने पर उसे माफ कर

दिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'इस मामले में अनावश्यक घबराहट नहीं होनी चाहिए।'

जब उनसे बीजेपी की पदयात्रा के जवाब में कांग्रेस पार्टी द्वारा निकाली गई जनांदोलन यात्रा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'बीजेपी की पदयात्रा का कोई मतलब या मुद्दा नहीं है। उसकी पदयात्रा का मतलब क्या है? उन्होंने घोटालों को उजागर होने दिया है। हमारी सरकार के दौरान कोई नया घोटाला हुआ हो तो बताएं। प्रदेश के इतिहास की सबसे भ्रष्ट सरकार भाजपा सरकार है। इसलिए, हम उनसे हर दिन उनके समय के घोटालों, बजट में राज्य के साथ किए गए अन्याय के बारे में तीन या चार सवाल पूछते हैं, उन्हें जवाब देने दीजिए।' जब उनसे पूछा गया कि क्या यह जनांदोलन बैठक पूरे राज्य में होगी, तो उन्होंने कहा, 'हमने उनके कार्यकाल के दौरान इस तरह की अनियमितताएं देखी हैं, इस बारे में आपका क्या कहना है?' उन्हें जवाब देने दीजिये, फिर हम राज्य स्तर के बारे में सोचेंगे।''

केंद्र सरकार सिद्दरामय्या को सलाखों के पीछे डालना चाहती है : गुंडूराव

मंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को सलाखों के पीछे डालना चाहता है और इसलिए विपक्ष के खिलाफ छोटी-छोटी बातें निकाल रहा है, लेकिन बड़े अपराधों में लिप्त अपने लोगों को बचा रहा है।

राव ने दक्षिण कन्नड़ जिले में संवाददाताओं से कहा, वे (भाजपा नेता) केवल सरकार को गिराने के लिए राज्यपाल, आयकर (विभाग), प्रवर्तन निदेशालय का दुरुपयोग कर रहे हैं। आप जानते हैं कि उन्होंने तमिलनाडु, महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और केरल में क्या करने की कोशिश की। मंत्री मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) साइट आवंटन 'घोटाले' पर सिद्दरामय्या को राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा जारी किए गए कारण बताओ नोटिस पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। इसमें कथित तौर पर मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती लाभार्थी हैं। राव ने कहा, ''देश में अघोषित आपातकाल है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम को जेल में डाल चुकी है।

बीबीएमपी के कर्मचारियों द्वारा वायनाड पीड़ितों के लिए राहत सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने केरल के वायनाड में बाढ़ और भूस्खलन के पीड़ितों को आवश्यक वस्तुएं और खाद्य सामग्री पहुंचाने के लिए बीबीएमपी अधिकारी और कर्मचारी कल्याण विकास संघ और बीबीएमपी कर्मचारी सहकारी संघ के 2 ट्रक लॉन्च किए। शुक्रवार को मुख्य आयुक्त ने लॉन्चिंग के बाद पत्रकारों से बात की और कहा कि केरल के वायनाड में आपदा के कारण काफी नुकसान हुआ है और वे हर तरफ से समस्या का जवाब दे रहे हैं और सहायता प्रदान कर रहे हैं।

बीबीएमपी कर्मचारी संघ समस्याओं और कठिनाइयों का सामना करने पर लोगों को सहायता और सहयोग प्रदान करता रहा है। इस संबंध में, वायनाड आपदा में निगम कर्मचारी संघ ने 2 ट्रकों में 25 लाख रुपये का भुगतान कर जरूरत की सभी वस्तुओं को भेजा है। उन्होंने कहा कि वायनाड त्रासदी एक दर्दनाक बात है और एसोसिएशन और संगठन ऐसे कठिन समय में सरकारी अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

बीबीएमपी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अमृत राज ने कहा कि केरल के वायनाड में बाढ़ आपदा से लोग संकट में हैं। उन्होंने कहा कि जब एसोसिएशन और संगठन सरकार के साथ सहयोग करते हैं तो जनता के सामने आने वाली कठिनाइयों को आसानी से हल किया जा सकता है।

राज्य में चल रहे भ्रष्टाचार के विरुद्ध में भाजपा और जेडीएस की पदयात्रा आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने कहा कि भाजपा और एनडीए की सहयोगी जेडीएस ने कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को तार्किक अंत के ले जानेके लिए संयुक्त रूप से पदयात्रा का संचालन करने जा रही है। शुक्रवार को मल्लेश्वरम् स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में उन्होंने मीडिया को बताया कि भाजपा और जेडीएस द्वारा संयुक्त रूप से मैसूरु चलो पदयात्रा की शुरुआत शनिवार को सुबह होगी। प्रदेश में भ्रष्ट कांग्रेस और घोटालों की सरकार है।

यह गरीब विरोधी, अनुसूचित समुदाय विरोधी सरकार है। कांग्रेस सरकार ने विकास शून्यता में योगदान दिया है। उन्होंने इसकी आलोचना करते हुए इसे एक अक्षम सरकार बताया। अहिंदा के नाम पर शासन कर रही सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने उन सभी समुदायों को धोखा दिया है। अनुसूचित जनता का पैसा लूटा गया है। हमने बीजेपी-जेडीएस के साथ मिलकर सदन के अंदर और बाहर इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी और सरकार को अपने दम पर खड़ा किया।

विजयेन्द्र ने बताया कि आठ दिन तक चलने वाली इस पदयात्रा का पूर्व मुख्यमंत्री-किसान नेता बीएस येडीयुरप्पा, जेडीएस अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी कल पदयात्रा का शुभारंभ करेंगे। पदयात्रा शनिवार सुबह 8.30 बजे केंगेरी केम्पम्मा मंदिर के पास मंजूनाथ कन्वेंशन हॉल से शुरू होगी। पदयात्रा में हर दिन कम से कम 8 से 10 हजार लोग शामिल होंगे। प्रदेश के कोने-कोने से कार्यकर्ता आएंगे। सभी लोग उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि रूट मैप तैयार कर लिया गया है।

मुआवजा लेने से इनकार करने वाले आद्यापाडी किसानों को मंत्री दिनेश गुंडूराव ने मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव ने आद्यापाडी निवासियों से मुआवजा लेने की अपील की। पड़ोसी मुआवज़े का स्थायी मुआवज़े से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा मत सोचो कि पड़ोसी को राहत मिलेगी तो वह स्थायी राहत नहीं होगी.. किसी एक से लिंक करने की आवश्यकता नहीं। क्या आपको धान के खेत में पानी भरने से नुकसान हुआ है.. सरकार से मदद लें। मंत्री दिनेश गुंडुराव ने किसानों से अपील की कि पलगनी नदी से होने वाली आपदा को रोकने के लिए स्थाई समाधान की जिम्मेदारी हम पर छोड़ें। स्थानीय निवासी मंत्री के अनुरोध पर सहमत हुए और मंत्री को सूचित किया कि वे मुआवजे की मांग करेंगे। आद्यापदी के निवासी पिछले 11 वर्षों से स्थायी बंदोबस्त की मांग को लेकर पड़ोसी बस्ती को खारिज कर रहे हैं।

वायुसेना स्टेशन में अग्निवीरवायु प्रशिक्षुओं के तीसरे बैच की पासिंग आउट परेड हुई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर अग्निवीरवायु प्रशिक्षुओं के तीसरे बैच की पासिंग-आउट परेड शुक्रवार को वायुसेना स्टेशन, जालाहल्ली में हुई। बता दें कि 146 अग्निवीरवायु (महिला) सहित 1,900 से ज्यादा अग्निवीरवायु प्रशिक्षुओं ने अपना प्रशिक्षण पूरा किया है। उनकी परेड की समीक्षा एवीएम आरवी राम किशोर ने की। अग्निपथ योजना के तहत भारतीय वायुसेना में भर्ती किए गए इन अग्निवीरवायु योद्धाओं को विभिन्न इकाइयों में तैनात किया जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स प्रशिक्षण संस्थान, संचार प्रशिक्षण संस्थान और 16 टेट्रा स्कूल (जालाहल्ली) में स्ट्रीम आधारित विशेष प्रशिक्षण से पहले, इन प्रशिक्षुओं ने एयरमैन प्रशिक्षण स्कूल, बेलगावी में प्रशिक्षण के गहन बुनियादी चरणों को पार किया था। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का मकसद युवा उम्मीदवारों को युद्ध कौशल से लैस करना है। कार्य के निर्धारित क्षेत्र के अनुसार, कौशल और दर्शन के साथ सैन्य व्यवहार उनके प्रशिक्षण का

एक प्रमुख हिस्सा था। समीक्षा अधिकारी (आरओ) ने समारोह को संबोधित किया और उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को बधाई दी। उन्होंने प्रशिक्षुओं से कहा कि वे अपने पेशेवर ज्ञान को निखारते रहें और खुद को लगातार विकसित हो रही तकनीकी प्रगति से भी अवगत रखें। आरओ ने विभिन्न विधाओं के मेधावी प्रशिक्षुओं को ट्रॉफियां प्रदान दीं।

पंचायती राज संस्थाओं की अनुदान राशि बढ़ाई जाए : पानगड़िया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंचायती राज संस्थाओं के जन प्रतिनिधियों ने 16 वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी मांगो और सुझावों को साझा करते हुए पंचायती राज संस्थाओं की अनुदान राशि बढ़ाने की मांग की है। वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पानगड़िया ने जनप्रतिनिधियों की मांगों एवं सुझावों पर कहा कि राजस्थान की पंचायती राज व्यवस्था देश में सबसे पुरानी व्यवस्था है। मुझे ख़ुशी है कि आप लोगों में जागरूकता है। ग्रामवासी भी मिलजुलकर ग्रामीण विकास सम्बंधी जरूरतों को पूरा करें। आप अपनी ग्राम पंचायत की वेबसाइट भी बनाएं। आपकी मांगों और सुझावों पर अवश्य विचार किया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों ने पौधारोपण के तहत लगाये जाने वाले पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड एवं नियमित देखभाल के लिए राशि उपलब्ध करवाने के साथ ही पंचायतों की निजी आय बढ़ाने के लिए फलदार एवं मेडिसिनल वृक्षों की उपज सम्बंधी प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने, अतिवृष्टि एवं ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाओं में राहत के लिए अलग से राशि देने, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट व प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट स्थापित करने, कचरा एकत्रित करने के लिए ट्रैक्टर की व्यवस्था करने, विद्युत बिल राशि की बचत के लिए सौर ऊर्जा पैनल लगवाने, अधिकतर क्षेत्र डार्कजोन में होने के कारण जल संरक्षण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ ही पेयजल आपूर्ति के लिए गाईडलाइन जारी करने, अतिक्रमण हटाने के लिए पंचायत समिति मुख्यालय पर जेसीबी की व्यवस्था करने, ग्राम पंचायत स्तर पर महिला स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सेनेटरी नेपकीन के उत्पादन व वितरण की व्यवस्था करने, अटल सेवा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने, प्रत्येक ग्राम पंचायत में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने की मांग की । पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त रवि जैन ने सभी का स्वागत करते हुए बैठक की रुपरेखा पर पर प्रकाश डाला। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के द्वारा दिये गए सुझावों एवं प्रतिनिधिमंडल के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अपना पक्ष प्रभावी तरीके से रखा।

बैठक में वित्त आयोग सदस्य डॉ सोम्या कांत घोष, अजय नारायण झा, डॉ मनोज पांडा, सचिव रित्विक पांडे, संयुक्त सचिव के. के. मिश्रा, संयुक्त निदेशक पी अमृता वर्षिणी,उपनिदेशक आदित्य पंत, सहायक निदेशक अभय मेनन, ज्योति नागरकोटी एवं निजी सचिव कुमार विवेक उपस्थित थे।

बांसवाड़ा में न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर हिंसा, पुलिस पर पथराव, लाठीचार्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। राजस्थान के बांसवाड़ा में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर स्थानीय लोगों ने भारी विरोध शुरू कर दिया है। प्लांट के लिए जमीन खाली करवाने गई पुलिस और लोगों के बीच टकराव हो गया है। विरोध कर रहे स्थानीय लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। दरअसल, बांसवाड़ा में बनने वाले न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए सरकार ने अब वहां के रहने वालों को विस्थापित करना शुरू कर दिया है। लेकिन शुक्रवार को जमीन खाली करवाने के लिए पहुंचे अधिकारियों को विरोध का सामाना करना पड़ा। जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को वहां से तितर बितर कर दिया।

बांसवाड़ा जिले के छोटी सरवन क्षेत्र में 2800 मेगावाट न्यूक्लियर पावर प्लांट प्रस्तावित है। सरकार ने यहां से जमीन भी अधिग्रहित की है। सरकार का कहना है कि सब को मुआवजा मिल गया है, लेकिन यहां के रहने वाले लोग अभी भी जमीन खाली नहीं कर रहे हैं। जिसके बाद पुलिस प्रशासन अब सख्त कार्रवाई कर रहा है।

शुक्रवार को सैंकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया और सड़क पर जाम लगा दिया। जिला प्रशासन द्वारा पहले प्रभावितों को नोटिस देकर हटाने की अपील की गई थी, लेकिन इसके बावजूद भी वे लोग अपने स्थान पर डटे रहे। तीन जिलों से भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और प्रभावितों को जमीन खाली करने के लिए कहा गया था। पावर प्लांट का निर्माण सितंबर महीने से शुरू होने वाला है।

परमाणु बिजली घर का निर्माण कार्य शुरू होने से पहले इस क्षेत्र में आने वाले 6 गांवों बारी, सजवानिया, रेल, खड़िया देव, आडीभीत और कटुम्बी आदि गांव में रहने वाले करीब 3 हजार लोगों को विस्थापित किया जाना है। इन परिवारों को सरकार द्वारा 415 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जा चुका है। इसके बदले में 553 हेक्टेयर जमीन आवाप्त की गई है। इसके साथ ही खड़िया देव में 60 हेक्टेयर जमीन विस्थापित होने वाले लोगों के लिए मकान बनाने के लिए अवाप्त की है।

विस्थापित होने वाले ग्रामीणों की मांग है कि इससे प्रभावित परिवार के सभी युवाओं को यहां रोजगार उपलब्ध कराया जाए और परिवार के हर व्यक्ति को अलग यूनिट मानकर आवास और रोजगार मिले। इसके बाद ही वो यहां से विस्थापित होंगे।

अब जबकि इसका निर्माण कार्य शुरू होने को है इसको लेकर इन गांव में रहने वाले लोगों को विस्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हुई तो ग्रामीणों ने इसका विरोध किया और कहा कि उनकी मांगों को अभी पूरा नहीं किया गया है। जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा तब तक वह विस्थापित नहीं होंगे। इसको लेकर परमाणु बिजली घर के प्रबंधकों द्वारा पुलिस से संपर्क कर उनकी सहायता से लोगों को विस्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की गई तो ग्रामीणों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है।

अंगदान मानवता की सेवा के लिए सर्वोच्च योगदान : खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि अंगदान मानवता की सेवा एवं समाज के लिए सर्वोच्च योगदान है। जीवनदान से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता। यह गर्व की बात है कि अल्प समय में ही राजस्थान ने अंगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए कीर्तिमान बनाए हैं। प्रदेश में अंगदान को लेकर जो जनचेतना विकसित हुई है, उससे राजस्थान का गौरव बढ़ा है। अंगदान की ऑनलाइन शपथ में राजस्थान अव्वल है।

खींवसर शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित अंगदान जागरूकता अभियान एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अंगदाताओं के परिवारों को सम्मानित करते हुए कहा कि ये परिवार अंगदान के क्षेत्र में रोल मॉडल हैं, जिन्होंने अपार दुःख की घड़ी में अपने परिजन के अंगदान करने का साहसिक फैसला किया है।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि विगत दिनों प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओसी का मामला सामने आया तो अंगदान का कार्य प्रभावित हुआ लेकिन राज्य सरकार ने इस मामले में सख्त एक्शन लिया और नई कमेटियों का गठन किया। कई बाधाओं के बावजूद प्रदेश में अंगदान एवं प्रत्यारोपण का अभियान फिर मजबूती से खड़ा हो रहा है। हम इस मुहिम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पुरजोर प्रयास सुनिश्चित करेंगे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने कहा कि राजस्थान में अंगदान का अभियान अब केवल राजकीय कार्यक्रम नहीं होकर जनअभियान बन चुका है। इस अभियान में लगातार बढ़ती जनभागीदारी इस बात का प्रमाण है कि आने वाले समय में राजस्थान अंगदान के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा। उन्होंने बताया कि विगत 6 माह में ही प्रदेश में 6 कैडेवर ट्रांसप्लांट हो चुके हैं जबकि पिछले पूरे वर्ष में 5 ट्रांसप्लांट हुए थे।

श्रीमती सिंह ने कहा कि यह गर्व की बात है कि 3अगस्त,शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले समारोह में राजस्थान को अंगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ आईईसी गतिविधियों हेतु सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, प्रदेश के मोहन फाउण्डेशन को अंगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए बेस्ट एनजीओ का अवार्ड प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश को अंगदान में आगे ले जाने के लिए इससे जुडे़ सभी अधिकारी, संस्थाएं एवं प्रदेश की जनता साधुवाद की पात्र हैं। जनसहभागिता से ही प्रदेश में इस कार्यक्रम को नए आयाम मिले हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि व्यापक जनजागरूकता अभियान से अंगदान को लेकर भ्रांतिया एवं मिथक दूर हो रहे हैं और प्रदेश के पिछडे़ क्षेत्रों के लोग भी अंगदान की मुहिम से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंग मिलने की प्रतीक्षा में जीवन और मौत से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने से बड़ा कोई पुनीत कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर ऐसे प्रयास करने चाहिए कि बडे़ शहरों के साथ-साथ भविष्य में निचले स्तर तक अंगदान और अंग प्रत्यारोपण का कार्य संभव हो सके।

चिकित्सा मंत्री ने झालावाड़ के किठिया डग निवासी अंगदाता स्व. भूरिया के परिजनों एवं जोधपुर के स्व. विक्रम के परिजनों को अंगदान के लिए सम्मानित किया। साथ ही, धौलपुर निवासी स्व. अजितपाल जी, बाड़मेर निवासी स्व. अनिता के परिजनों को वीसी के माध्यम से सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश के स्व. माणकलाल, गुजरात के स्व. शुक्ला तेजस उपेन्द्र कुमार के परिजनों को डाक द्वारा प्रशस्ति पत्र भेजकर सम्मानित किया। अंगदान की ऑनलाइन शपथ लेने में डूंगरपुर जिले के मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम प्रबंध इकाई को प्रथम स्थान, जयपुर प्रथम एवं द्वितीय को दूसरा, सीकर को तीसरा, झुंझुनूं जिले को चतुर्थ स्थान एवं राजसंमद जिले को पांचवां स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में छापे, 22 लाख से अधिक की नकदी मिली

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने नगर परिषद सांचौर के कार्यवाहक आयुक्त योगेश आचार्य के खिलाफ दर्ज आय से अधिक संपत्ति के मामले में शुक्रवार को उसके नौ ठिकानों पर छापे मारे, जहां से 22 लाख से अधिक की नकदी, चार लग्जरी वाहन और संपत्तियों के दस्तावेज बरामद किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय को गोपनीय शिकायत प्राप्त हुई थी कि सहायक प्रशासनिक अधिकारी और नगर परिषद सांचौर के कार्यवाहक आयुक्त द्वारा अपने तथा अपने परिजनों के नाम से भ्रष्टाचार के साधनों द्वारा आय से अधिक संपत्तियां अर्जित की गई है। एसीबी की जोधपुर ग्रामीण/खुफिया शाखा द्वारा शिकायत का गोपनीय सत्यापन किया गया और तथ्यों की पुष्टि होने के बाद आय से अधिक संपत्तियां अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया।

सक्षम न्यायालय से तलाशी वारंट लेकर ब्यूरो की विभिन्न टीम ने आज अलसुबह आरोपी के सांचौर, सुमेरपुर-पाली, जोधपुर और जयपुर स्थित नौ विभिन्न ठिकानों पर तलाशी ली। इसके अनुसार आरोपी आचार्य के विभिन्न ठिकानों की तलाशी में 22 लाख से अधिक की नकदी, सात आवासीय/व्यावसायिक भूखंडों के दस्तावेज, चार लग्जरी वाहन, 40 से अधिक मंहगी घड़ियां, सोने चांदी के आभूषण मिले हैं।

राजस्थान के कई इलाकों में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में बीते 24 घंटे के दौरान भारी से बेहद भारी बारिश हुई। बीकानेर जिले के खाजूवाला में सबसे अधिक 19 सेंटीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार सुबह आठ बजकर 30 मिनट तक पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान सवाई माधोपुर के मलारना डूंगर में 14 सेंटीमीटर, खंडार (सवाई माधोपुर), चौमू (जयपुर) और श्रीमाधोपुर (सीकर) में 12 सेंटीमीटर, जमवारामगढ़ और पावटा (जयपुर) में 11 सेंटीमीटर बारिश हुई। बारिश प्रभावित क्षेत्र के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति रही।

टोंक जिले के बोरखंडी कलां में एक स्थानीय बांध का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद निचले इलाकों में पानी भर गया। इसके अनुसार आगामी 24 घंटे के दौरान अजमेर, बीकानेर और जोधपुर संभाग के कई जिलों में मानसून सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं भारी और कहीं अति भारी बारिश की प्रबल संभावना है।

इसके अनुसार आज झारखंड के ऊपर कम दबाव का एक क्षेत्र बन गया है। इसके अगले 48 घंटे में और तीव्र होने तथा मध्यप्रदेश से होकर राजस्थान की ओर आगे बढ़ने की प्रबल संभावना है। इसके प्रभाव से दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में तीन अगस्त से भारी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी की प्रबल संभावना है। इसका सर्वाधिक प्रभाव चार-पांच अगस्त को राज्य के दक्षिणी-पूर्वी तथा पश्चिमी भागों में देखने को मिल सकता है।

इस दौरान कोटा, उदयपुर संभाग में चार अगस्त को कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश तथा एक दो स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश (200 मिलीमीटर से अधिक) होने की प्रबल संभावना है।

इसके अलावा जयपुर, अजमेर, जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ भागों में चार से छह अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी तथा कहीं-कहीं अति भारी बारिश के आसार हैं।

जावर के युवाओं की रोजगार समस्या का समाधान मध्यस्थता के जरिए होगा : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने शुक्रवार को कहा कि जावर ग्राम पंचायत के खनन प्रभावित क्षेत्र के युवाओं की रोजगार समस्या का समाधान मध्यस्थता के जरिए करने का प्रयास किया जाएगा। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने विधानसभा में शून्यकाल में यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा, ''उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की जावर ग्राम पंचायत के खनन प्रभावित क्षेत्र के युवाओं की रोजगार समस्या का खान विभाग द्वारा मध्यस्थता कर समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।'' मंत्री, उदयपुर ग्रामीण से विधायक फूल सिंह मीणा द्वारा इस संबंध में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाये गए मामले का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया, ''हिन्दुस्तान जिंक की खदान वर्ष 2030 तक वैध है। उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की तीन ग्राम पंचायतें खनन क्षेत्र में आती हैं। कंपनी को 3620 हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई, जिसमें से 1538 हेक्टेयर जमीन वन विभाग की थी।'' खींवसर ने बताया कि गांव के लोगों की सहमति से 'डायवर्सन' कर यह जमीन दी गई थी तथा इसे लेकर कंपनी और ग्रामीणों के बीच रोजगार को लेकर समझौता हुआ था। खींवसर ने बताया कि समझौते के अनुरूप हिन्दुस्तान जिंक ने 'वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर' विकसित किया है, जिसमें प्रशिक्षण के बाद क्षेत्र के युवाओं को कंपनी में रोजगार उपलब्ध करवाया गया।

उन्होंने कहा, ''कोरोना के दौरान वर्ष 2020 में क्षेत्र के 2500 लोग वहां काम कर रहे थे। जबकि, वर्तमान में क्षेत्र के 2700 लोगों को वहां रोजगार मिल रहा है। इस प्रकार, कोरोना के बाद रोजगार में महज 200 की संख्या का ही इजाफा हुआ है।''

मंत्री ने कहा कि एक सप्ताह पहले गांव के लोगों ने खनन गतिविधि को रोकते हुए अधिक रोजगार दिए जाने की मांग की और इस दौरान करीब एक सप्ताह तक धरना दिया गया। इसके बाद हिन्दुस्तान जिंक की याचिका पर उच्च न्यायालय ने धरना हटाने के लिए जिलाधिकारी को निर्देशित किया, जिसके बाद 31 जुलाई को धरना हटा दिया गया।

अब तो जनता को बालाजी ही पानी पिलाएंगे, विधानसभा में छलकी मंत्री की पीड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा में जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी की पीड़ा झलकी, मंत्री ने अपने ही महकमें में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि अभी तक मैंने 40 से अधिक कर्मचारियों को सस्पेंड किया है, अगर निचले स्तर पर सख्ती की गई तो, एक भी अधिकारी कर्मचारी नहीं बचेगा, इस विभाग में इस कदर भ्रष्टाचार है। जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए कहा कि बिना पानी योजना बना दी गई, पता ही नहीं उनमें पानी कहां से आएगा, केंद्र सरकार ने मिशन के तहत जो पैसा दिया उसका 20 प्रतिशत ही राज्य सरकार खर्च कर सकी। जलदाय मंत्री विधानसभा में दो दिन चली पेयजल पर चर्चा के बाद जवाब दे रहे थे।

मंत्री ने कहा कि विभाग में तकनीकी कर्मचारियों से लेकर इंजीनियरों के पदों पर करीब 25 हजार पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने सदन में घोषणा करते हुए कहा कि आने वाले समय में हेडपंप का कार्य एक ही विभाग के जरिए किया जाएगा, अभी वर्तमान में कहीं पर पंचायती राज विभाग और कहीं पर जलदाय विभाग कर रहा है, आगे से जनप्रतिनिधियों के लिए यह समस्या नहीं होगी। साथ ही विभाग में हेडपंप और ट्यूबवेल की मरम्मत के लिए तकनीकी हेल्पर, जेईएन और एईएन के पदों पर भर्ती की जाएगी। सभी तरह के करीब 25 हजार पदों पर भर्ती होगी। इसका हमने प्रपोजल तैयार कर लिया है।

जलदाय मंत्री ने कहा कि बीसलपुर में पानी की समस्या का स्थाई समाधान करने के लिए ब्राह्मणी नदी से पानी लाने की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में 6000 करोड़ की योजना तैयार हुई थी, लेकिन पिछली कांग्रेस सरकार ने 5 साल तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। इस योजना का फिर से प्लान तैयार कराया गया है जिस पर करीब 8000 करोड रुपए खर्च होंगे। इस योजना को समय रहते हाथ में लिया जाएगा।

कन्हैयालाल ने कहा कि ईआरसीपी योजना को लेकर जो मध्य प्रदेश से एमओयू किया है, उसमें राजस्थान के हक को नहीं मारा गया है।

बल्कि पूर्ववर्ती सरकार ने आनन फानन में सिर्फ जनता को गुमराह करने के लिए योजना तैयार की थी। अभी हमने जो एमओयू किया है, उसे योजना के तहत 90% पैसा केंद्र सरकार देगी। इस पर जल्द ही काम हाथ में लिया जाएगा विपक्ष के आरोप निराधार हैं।

सीमेंट कंपनी से चोरी गई सवा करोड़ की नकदी कुचामन सिटी से बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़/डीडवाना। डीडवाना जिला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। चितौड़गढ़ के निंबाहेड़ा की जेके सीमेंट कंपनी से चोरी हुए एक करोड़ 20 लाख रुपये बरामद किए। यह राशि आरोपी के मामा के कुचामन स्थित घर से बरामद की गई है।

बता दें कि मामला बेहद रौचक है। यह पूरी घटना निंबाहेड़ा में हुई। जहां जेके सीमेंट कंपनी के रुपये कर्मचारी अंकित मोरे ने चोरी किए और अपने मामा के घर छुपा दिए। कंपनी के प्रतिनिधि की तरफ से इस चोरी को लेकर निंबाहेड़ा थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। इसमें मौलासर निवासी कंपनी के कर्मचारी अंकित मोरे पर चोरी का संदेह जताया और 12 लाख 50 हजार रुपये चोरी होने की रिपोर्ट दी।निंबाहेड़ा पुलिस ने इसकी सूचना मौलासर पुलिस को दी, ताकि अंकित मोरे के घर और उसके परिचितों के यहां तलाशी की जा सके। यहां मौलासर पुलिस ने आरोपी के मामा के कुचामन स्थित घर की तलाशी ली तो पुलिस हैरान रह गई। जो राशि बताई थी, उससे कई गुना ज्यादा राशि एक बैग में मिली।

पुलिस ने इन नोटों को गिना तो एक करोड़ 20 लाख रुपए हुए, जिन्हें मौलासर पुलिस ने जब्त कर लिया।

साथ ही चितौड़गढ़ की निंबाहेड़ा थाना पुलिस को इसकी सूचना भी दी है। रिपोर्ट में राशि 12 लाख 50 हजार चोरी होना ही बताया। लेकिन चोरी हुए थे, एक करोड़ 20 लाख। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अयोध्या की सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों से मिले योगी, आरोपियों को सजा दिलाने का भरोसा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या की सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता बच्ची के परिजनों से अपने सरकारी आवास पर मुलाकात की और आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने का उनको भरोसा दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, आज लखनऊ में जनपद अयोध्या के बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान के साथ आए अयोध्या की पीड़ित बच्ची के परिजनों से भेंट की। योगी ने कहा, दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, उन पर कठोरतम कार्रवाई होगी। बच्ची को हर कीमत पर न्याय दिलाने हेतु हम प्रतिबद्ध हैं। इस पोस्ट में मुख्यमंत्री ने बच्ची के परिजनों से मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की। बाद में एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित बच्ची की मां को आश्वस्त किया है कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए सरकार उनके साथ खड़ी है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री से मिलने के बाद पीड़िता की मां ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी बच्ची के साथ दरिंदगी करने वालों के लिए उन्होंने सरकार से फांसी की सजा की मांग की है, इस पर मुख्यमंत्री ने भी आश्वस्त किया कि बच्ची को हर कीमत पर न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस बात को लेकर भी आश्वस्त किया है कि आरोपी समाजवादी पार्टी (सपा) नेता मोईद खान की संपत्तियों की जांच कराई जाएगी और अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलेगा।

आधिकारिक बयान के अनुसार, अयोध्या पुलिस ने 30 जुलाई को जिले के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भदरसा नगर में बेकरी संचालित करने वाले मोईद खान और उसके कर्मचारी राजू खान को दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया। मोईद और राजू खान ने दो महीने पहले नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया और इस कृत्य को रिकॉर्ड भी किया। घटना तब प्रकाश में आई जब हाल में मेडिकल जांच में पीड़िता के गर्भवती होने का पता चला। यह दावा किया जाने के बाद कि मोईद खान सपा का सदस्य है, मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है। विधानसभा में योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का जिक्र किया और सपा पर निशाना साधा। योगी ने कहा, यह अयोध्या का मामला है। मोईद खान सपा से है और अयोध्या सांसद की टीम का सदस्य है।

भाजपा देश की हालत पाकिस्तान से भी 'बदतर' करने पर तुली हुई है: हेमंत सोरेन

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अर्थव्यवस्था को गलत 'नीतियां' अपनाकर 'तबाह'

करने का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि भाजपा देश की हालत ''पड़ोसी देश पाकिस्तान से भी बदतर करने पर तुली हुई है''। मानसून सत्र के अंतिम दिन विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा पर धर्म के नाम पर लोगों को बांटकर 'वोट-बैंक की राजनीति' करने का आरोप लगाया। सोरेन ने कहा, देश कठिन दौर से गुजर रहा है, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण अर्थव्यवस्था खतरे में है। वे देश की हालत पाकिस्तान से भी बदतर बनाने पर तुले हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या के लोगों ने धार्मिक आधार पर ''देश को बांटने'' के लिए लोकसभा चुनाव में भाजपा को करारा जवाब दिया है। सदन में अपनी टिप्पणियों के खिलाफ भाजपा सदस्यों के विरोध के बीच सोरेन ने कहा कि देश की संपत्तियां धड़ल्ले से बेची जा रही हैं जबकि किसानों की जिंदगी दांव पर लगी हुई है।

नीट-यूजी पर न्यायालय की टिप्पणी केंद्र के रुख की पुष्टि करती है, सत्य की सदैव जीत होती है: प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि वर्ष 2024 की राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में शुचिता का कोई प्रणालीगत उल्लंघन नहीं होने संबंधी उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी केंद्र सरकार के रुख की पुष्टि करती है।

प्रश्न पत्र लीक सहित अन्य अनियमितताओं के आरोपों के बीच राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा की आलोचना करने के लिए विपक्ष पर हमला करते हुए मंत्री ने 'एक्स' पर कहा, झूठ के बादल कुछ समय के लिए सच्चाई के सूर्य को छिपा सकते हैं, लेकिन सच्चाई हमेशा जीतती है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के निष्कर्ष और फैसले ने उस दुष्प्रचार को सिरे से खारिज कर दिया जिसे प्रसारित किया जा रहा था। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को कहा कि उसने प्रश्नपत्र लीक की चिंताओं के बीच विवादों से घिरी नीट-यूजी परीक्षा को रद्द नहीं किया क्योंकि इसकी शुचिता का कोई प्रणालीगत उल्लंघन नहीं हुआ था। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 23 जुलाई को सुनाए गए आदेश के विस्तृत कारणों में बताया कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को अपना 'ढुलमुल' रवैया बंद करना चाहिए जो इस साल देखा गया था, क्योंकि यह छात्रों के हित में नहीं है।

'एक्स' पर अपने पोस्ट में प्रधान ने कहा, नीट-यूजी परीक्षा में शुचिता का कोई प्रणालीगत उल्लंघन नहीं होने और इसलिए दोबारा परीक्षा नहीं कराने पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी सरकार के रुख की पुष्टि करती है। सरकार 'छेड़छाड़ मुक्त, पारदर्शी और त्रुटिविहीन परीक्षा प्रणाली के प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इसे सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों को प्रस्तुत किए जाने के बाद जल्द से जल्द लागू किया जाएगा।

दक्षिण बंगाल में भारी बारिश, अभी और ज्यादा बारिश होने की संभावना

कोलकाता/भाषा। क्षेत्र में सक्रिय मानसून के कारण शनिवार तक दक्षिणी पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों पर और ज्यादा बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बर्द्धमान, पानागढ़ और श्रीनिकेतन में शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक 24 घंटों में लगभग 200 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में पुरुलिया, पश्चिम बर्द्धमान और बीरभूम में शनिवार सुबह तक भारी बारिश तथा कोलकाता में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है। कोलकाता में पिछले 24 घंटे के दौरान 46 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बर्द्धमान और श्रीनिकेतन में सबसे अधिक 192 मिमी बारिश दर्ज की गई

ओडिशा में और अधिक बारिश की संभावना

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में निकटवर्ती पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों और झारखंड में निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण और अधिक बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चक्रवाती परिसंचरण के कारण पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी इलाकों और उससे सटे झारखंड में कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। संबंधित चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से लगभग 7.6 किमी ऊपर तक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने नवीनतम बुलेटिन में बताया कि चक्रवाती परिसंचरण के पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है तथा अगले 24 घंटों में इसकी स्थिति और अधिक स्पष्ट हो पाएगी। राज्य सरकार ने शुक्रवार सुबह साढे पाँच बजे से अगले 24 घंटों में झारसुगुड़ा, सुंदरगढ़, क्योंझर, संबलपुर, देवगढ़ और बारगढ़ जिलों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। उन्होने बताया कि अगले पांच दिनों में गरज और चमक के साथ व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा होने की भी संभावना है। हालांकि, एक वरिष्ठ अधिकारी ने चक्रवाती परिसंचरण के ओडिशा से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ जाने के कारण शनिवार से बारिश की तीव्रता कम होने की उम्मीद जताई है।

अदालत ने दूसरी बेटी को जन्म देने पर पत्नी की हत्या करने के जुर्म में पति को सुनाई मौत की सजा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर की एक अदालत ने एक व्यक्ति को दो साल पहले अपनी पत्नी की चाकू घोंपकर हत्या करने और छह वर्षीय बेटी की गला रेतकर हत्या करने की कोशिश करने के अपराध में मौत की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, दोषी संजीत दास (46) ने नौ जून, 2022 को इस अपराध को अंजाम दिया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उसने भुवनेश्वर के घाटिकिया इलाके में स्थित घर पर पत्नी सरस्वती की 33 बार चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। निजी अस्पताल में हेड नर्स के तौर पर काम करने वाली सरस्वती ने हत्या से कुछ दिन पहले ही दूसरी बेटी को जन्म दिया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, दास ने अपनी पहली बेटी (6) का भी गला रेत दिया था, लेकिन वह बच गई। दास को घटना के अगले दिन गिरफ्तार कर लिया था और फिर अक्टूबर, 2022 में उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था। भुवनेश्वर की द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बंदना कार की अदालत ने फैसला सुनाते हुए इस अपराध को 'दुर्लभतम' श्रेणी में रखा।

नीट विवाद पर नड्डा ने कहा, बीमारी के कारण शरीर को नहीं मारा जाता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में प्रवेश से जुड़ी कुछ खामियों की वजह से पूरी प्रक्रिया को कमतर नहीं आंका जाना चाहिए।

राज्यसभा में सदन के नेता और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष ने नीट का बचाव करते हुए कहा कि इसके लागू होने से पहले चिकित्सा शिक्षा एक खुला कारोबार बन गया था और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की सीटें 8 से 13 करोड़ रुपए तक में बेची जाती थीं। उच्च सदन में नीट और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को समाप्त करने के प्रावधान वाले एक गैर सरकारी संकल्प पर चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए नड्डा ने यह भी कहा कि नीट एक बहुत मजबूत तंत्र है और यह भारत के नौजवानों को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में लाने के लिए बहुत तरीके से तैयार किया गया है।

द्रमुक के एम मोहम्मद अब्दुल्ला ने आसन की अनुमति से शिक्षा को समवर्ती सूची से हटाकर राज्य सूची में डालने के प्रावधान वाले गैर सरकारी संकल्प को चर्चा के लिए पेश किया। इसी संकल्प में नीट-यूजी और एनटीए को समाप्त करने का प्रावधान है। नड्डा ने कहा, बीमारी के कारण शरीर को नहीं मारा जाता है। इसलिए नीट के अंदर और नीट के माध्यम से चलने वाली प्रक्रिया में प्रवेश संबंधी कुछ चीज आई है। यह बहुत बड़ा मजबूत तंत्र है। यह भारत के नौजवानों को चिकित्सा शिक्षा में लाने के लिए बहुत तरीके से तैयार किया गया है। कोरोना महामारी के खिलाफ देश में चलाए गए टीकाकरण अभियान का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत के अंदर जितने भी तंत्र मौजूद हैं, वह बहुत ही मजबूत हैं। उन्होंने कहा, इस तरीके से हम नेट को कमतर ना आंके। यह बहुत अच्छा सिस्टम है। गांव के लोगों को चिकित्सा शिक्षा में लाने का बहुत बड़ा माध्यम है। इसलिए इसके बारे में जब हम चर्चा करें तो इसकी बुनियादी जो भावना थी उसको नुकसान न पहुंचाएं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान नीट लाने से पहले चिकित्सा शिक्षा में भ्रष्टाचार व्याप्त था। उन्होंने कहा, चिकित्सा शिक्षा व्यवसाय का अड्डा बन गई थी। जब मैं स्वास्थ्य मंत्री था और नीट ला रहा था, तो स्नातकोत्तर की एक सीट 8-8 करोड़ रुपए में बेची गई थी और अगर आपको रेडियोलॉजी जैसी विकल्प चुनना होता था तो यह राशि 12-13 करोड़ रुपए थी।

क्वार्टर फाइनल से पहले ऐसी जीत जरूरी थी : भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। ऑस्ट्रेलिया को आखिरी पूल मैच में 3 . 2 से हराने के बाद भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि क्वार्टर फाइनल से पहले टीम को इस तरह की जीत की जरूरत थी। भारत ने 1972 म्युनिख ओलंपिक के बाद पहली बार ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को हराया।

दो गोल करने वाले हरमनप्रीत ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण मैच था। हमें क्वार्टर फाइनल से पहले ऐसी जीत की जरूरत थी। हमने शुरू ही से उन पर दबाव बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया को हराना गर्व का पल है। उन्होंने कहा, हमने क्वार्टर दर क्वार्टर रणनीति बनाई। हमेशा कहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया बड़ी टीम है लेकिन हम उस मानसिकता से उतरे ही नहीं। हमारे लिए यह बड़ी जीत है।

हरमनप्रीत ने कहा कि अब आगे टीम को और चौकस होकर खेलना होगा और किसी गलती की गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा, अब आगे कोई भी गलती नहीं करनी है। हम हर बड़े टूर्नामेंट में बड़े मैच जीतने की कोशिश करते हैं और भारतीय हॉकी की गौरवशाली विरासत को यूं ही आगे बढाने का प्रयास रहेगा। कोई भी मैच परफेक्ट नहीं होता। हमें गेंद पर नियंत्रण पर और काम करना होगा।

नगा होहो ने केंद्र से नगा मुद्दे के स्थायी समाधान के लिए 'ईमानदार, दृढ़ प्रयास' का आग्रह किया

कोहिमा/भाषा। नगा होहो ने केंद्र से नगा राजनीतिक मुद्दे के स्थायी समाधान के लिए ईमानदार, दृढ़ और ठोस प्रयास करने का आग्रह किया है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर और नगालैंड तथा म्यांमा के कुछ हिस्सों में फैले नगाओं के शीर्ष निकाय नगा होहो ने बृहस्पतिवार को दीमापुर में 2024-28 के कार्यकाल के लिए अपनी पहली संघीय सभा के दौरान यह बात कही।

होहो के मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, भारत सरकार को नगा मुद्दे का स्थायी समाधान निकालने के लिए ईमानदार, दृढ़ और ठोस प्रयास करना चाहिए, जो सभी हितधारकों के लिए स्वीकार्य, समावेशी और टिकाऊ हो।

इसमें कहा गया है कि 25 जुलाई, 1997 को पहले संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से पिछले 27 वर्षों से नगाओं और भारत सरकार के बीच शांति वार्ता जारी है।

उसने कहा कि इसके बाद, भारत सरकार ने विभिन्न चरणों में नगा समूहों के साथ समझौते किए हैं, जिनमें सबसे उल्लेखनीय 3 अगस्त, 2015 को रूपरेखा समझौता और 17 नवंबर, 2017 को सहमत स्थिति है।

आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करने के मुद्दे पर केंद्र संसद को गुमराह कर रहा: तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार ने बिहार में वंचित जातियों के लिए बढ़ाए गए आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के मुद्दे पर संसद को गुमराह किया, ताकि वह कानूनी जांच पड़ताल से बच सके।

बिहार में महागठबंधन सरकार ने पिछले साल केंद्र से राज्य सरकार की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किए जाने की व्यवस्था को नौवीं अनुसूची में शामिल करने का आग्रह किया था। उच्चतम न्यायालय ने 1992 में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत तय कर दी थी। यादव ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राजद के राज्यसभा सदस्य एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज कुमार झा ने हाल ही में इस संबंध में सवाल उठाया था। यादव ने आरोप लगाया, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने 31 जुलाई को अपने लिखित जवाब में स्पष्ट तौर पर कहा कि संविधान की नौवीं अनुसूची में बढ़ा हुआ आरक्षण शामिल करना राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। केंद्रीय मंत्री ने गलत और गुमराह करने वाला जवाब दिया।

उन्होंने सदन को गुमराह किया। राजद नेता ने कहा कि मामलों को नौवीं अनुसूची में शामिल करना केंद्र की जिम्मेदारी है और इसीलिए महागठबंधन सरकार ने केंद्र सरकार से इसके लिए अनुरोध किया था।

मेरे खिलाफ ईडी की छापेमारी की तैयारी, खुले दिल से इंतजार कर रहा हूं: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि सदन में चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की तैयारी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वह ईडी के लोगों का खुले दिल से इंतजार कर रहे हैं तथा उन्हें वह अपनी तरफ से चाय- बिस्कुट पेश करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के इस दावे को लेकर कहा कि वायनाड से सांसद के रूप में अपनी जवाबदेही से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए वह एक नई कहानी गढ़ रहे हैं। राहुल गांधी 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में वायनाड से चुने गए थे। उन्होंने इस बार वायनाड के साथ ही रायबरेली से भी चुनाव लड़ा था और दोनों सीटों पर जीत दर्ज की थी। बाद में उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी। कांग्रेस ने घोषणा की है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से उपचुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच पोस्ट किया, जाहिर है कि '2 इन 1' को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का दिल खोलकर इंतजार कर रहा हूं। मेरी तरफ से चाय और बिस्कुट।

बिहार में खुद को सेना का जवान बताने वाला व्यक्ति विस्फोटकों के साथ गिरफ्तार

बेगूसराय (बिहार)/भाषा। बिहार के बेगूसराय जिले में खुद को सेना का जवान बताने वाले एक व्यक्ति को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया जिसके पास से बड़ी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ बरामद किए गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बेगूसराय के पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान खोरमपुर इलाके के निवासी राज किशोर यादव के रूप में की गई है। उन्होंने कहा, पुलिस के एक दल को सूचना मिली थी कि यादव, जो खुद को मणिपुर में तैनात सेना का जवान होने का दावा करता है, कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं ले जा रहा है। उसे लोहिया नगर इलाके में पकड़ा गया। कुमार ने कहा, कुल मिलाकर जिलेटिन की 75 छड़ें और इतनी ही संख्या में डेटोनेटर'' यादव के पास से बरामद किए गए।

मैं खेल जारी रखूंगी लेकिन थोड़े समय के ब्रेक के बाद: सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने शुक्रवार को कहा कि वह ओलंपिक खेलों से प्री क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद संक्षिप्त ब्रेक लेंगी क्योंकि वह अपने करियर की 'सबसे कड़ी हार में से एक' से उबर रही हैं लेकिन उन्होंने अपने आगे के सफर का 'सावधानीपूर्वक' मूल्यांकन करने के बाद खेल जारी रखने का वादा किया।

रियो ओलंपिक 2016 में रजत और टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू चीन की दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी ही बिंग जियाओ से सीधे गेम में हारने के बाद पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गईं।

सिंधू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अपने भविष्य के बारे में मैं स्पष्ट होना चाहती हूं: मैं खेलना जारी रखूंगी, हालांकि थोड़े समय के ब्रेक के बाद। मेरे शरीर और उससे भी महत्वपूर्ण बात, मेरे दिमाग को इसकी जरूरत है। हालांकि मैं आगे की यात्रा का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की योजना बना रही हूं और जिस खेल से मैं बहुत प्यार करती हूं, उसे खेलने में ज्यादा आनंद ढूंढूंगी।

उन्होंने लिखा, यह हार मेरे करियर की सबसे कठिन हार में से एक है। इसे स्वीकार करने में समय लगेगा लेकिन जैसे-जैसे जीवन आगे बढ़ेगा, मुझे पता है कि मैं इसे स्वीकार कर लूंगी।

भारत की शीर्ष खिलाड़ियों शामिल इस 29 वर्षीय ने कहा कि खेलों के लिए उनकी तैयारी आदर्श नहीं थी लेकिन यहां आने के बाद उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। उन्होंने कहा, पेरिस 2024 की यात्रा एक संघर्ष थी जिसमें दो साल तक चोट से जूझना और खेल से लंबे समय तक दूर रहना शामिल था। इन चुनौतियों के बावजूद यहां खड़े होकर और तीसरे ओलंपिक में अपने अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं वास्तव में धन्य महसूस करती हूं।

सिंधू ने कहा, मैं इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि एक पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए बहुत भाग्यशाली हूं। मेरी टीम और मैंने पेरिस 2024 के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया, बिना किसी पछतावे के कोर्ट पर सब कुछ किया।

हैदराबाद की यह खिलाड़ी भारत की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने एक स्वर्ण और दो रजत सहित पांच विश्व चैंपियनशिप पदक जीते हैं। वह दो बार की ओलंपिक पदक विजेता के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों की कई बार की पदक विजेता भी हैं।

टी20 से अगर आक्रामक टेस्ट क्रिकेटर निकलेंगे तो मुझे कोई शिकायत नहीं होगी : सहवाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि टी20 क्रिकेट से अगर आक्रामक टेस्ट खिलाड़ी उभरता है तो उन्हें कोई शिकायत नहीं होगी क्योंकि ऐसे बल्लेबाज दर्शकों को स्टेडियम खींचने में सफल होंगे।

भारत के सबसे सफल टेस्ट सलामी बल्लेबाजों में शामिल सहवाग को दिल्ली प्रीमियर लीग के शुरुआती सत्र का ब्रांड दूत बनाया गया है। उन्होंने कहा कि आप खेल के छोटे प्रारूप की तरफ आकर्षित होने का दोष युवाओं पर नहीं मढ़ सकते क्योंकि यह वित्तीय तौर व्यावहारिकता भी प्रदान करता है। सहवाग ने लीग से जुड़े एक कार्यक्रम में कहा, इंग्लैंड जिस तरह से टेस्ट क्रिकेट खेल रहा है, पांच रन प्रति ओवर की दर से रन बना रहा है। हमारे खेलने के दिनों में ऑस्ट्रेलिया लगभग चार रन प्रति ओवर की दर से रन बनाता था। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि यदि आप आक्रमण कर सकते हैं तो आप अपनी टीम को टेस्ट मैच जीतने के अधिक मौके देते हैं। सहवाग से जब पूछा गया कि क्या जरूरत से ज्यादा टी20 लीग के आयोजन से युवा लाल गेंद प्रारूप से दूर हो रहे हैं तो उन्होंने कहा, देखिए, मेरा बड़ा बेटा 17 साल का है और उसने दिल्ली अंडर 16 के लिए तीन दिवसीय क्रिकेट खेला है, लेकिन ऐसे बहुत से लड़के हैं जो उस मौके का इंतजार कर रहे होंगे। जब हम 18 साल के थे तो आईपीएल नहीं था।

सुविचार

कदर होती है इंसान की जरूरत पड़ने पर ही, बिना जरूरत के तो हीरे भी तिजोरी में रहते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नरमी के हकदार नहीं धोखेबाज

छल–कपट और जबर्दस्ती धर्मांतरण के कई मामले सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश का विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 एक मिसाल बन सकता है, जिसमें उम्रकैद तक के प्रावधान किए गए हैं। अब तो हर महीने ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें किसी महिला को धोखा देकर या उसका धर्मांतरण करवाकर शादी करना पाया गया। जब तक महिला को असलियत पता चली, बहुत देर हो चुकी थी। कुछ मामलों में तो रिश्तों का अंत बहुत भयानक तरीके से हुआ। छल–कपट, धोखा, जबर्दस्ती जैसी कोशिशें हर दृष्टि से निंदनीय हैं। कोई व्यक्ति नहीं चाहता कि उसके साथ लेनदेन, कारोबार, दोस्ती या किसी भी काम में धोखा हो। हर किसी से उम्मीद की जाती है कि वह अपने मामलों में पाक–साफ, सच्चा और ईमानदार हो। क्या यही उम्मीद उस समय नहीं की जानी चाहिए, जब दो लोग हमसफर बनने का फैसला करें? कुछ 'बुद्धिजीवी' उत्तर प्रदेश के इस कानून की यह कहते हुए आलोचना कर रहे हैं कि इसके प्रावधान ज्यादा ही सख्त हैं। क्या उनके पास इस सवाल का जवाब है कि ऐसे किसी मामले में पीड़ित महिला को इन्साफ कैसे मिलेगा? छल–कपट, धोखा, असल पहचान छिपाना और जबर्दस्ती धर्मांतरण करवाकर शादी करने के कई मामले तो इसलिए भी सामने नहीं आते, क्योंकि पीड़ित महिलाएं खुद पर कई तरह के दबाव महसूस करती हैं। उनके लिए अपने मां–बाप के पास लौटना आसान नहीं होता। सख्त कानून के अभाव में उन्हें इन्साफ मिलने का भी भरोसा नहीं होता। आखिर कोई पीड़िता जाए तो कहां जाए? उप्र में यह कानून उन्हें ताकत देगा। होना तो यह चाहिए कि कोई भी बेटी शादी जैसे मामले में धोखे की शिकार न हो, लेकिन मंगल कामनाएं करने मात्र से तो अपराध नहीं रुकते। जब तक अपराधियों को कठोर दंड नहीं मिलेगा, उनका दुस्साहस बढ़ता रहेगा।

यह एक कड़वी हकीकत है कि कई महिलाओं के साथ इस किस्म का धोखा हो चुका है। इनमें सामान्य शिक्षित से लेकर उच्च शिक्षित महिलाएं भी हैं। उनके साथ फर्जी पहचान के आधार पर रिश्ता जोड़ा गया। उसके बाद दबाव बनाकर शादी की गई। जब असलियत सामने आई, तब पीड़िता को एहसास हुआ कि उसके साथ बहुत बड़ा धोखा हो गया! अब वह क्या करे? अगर मां–बाप और रिश्तेदारों को आपबीती बताए तो यह भी सुनने को मिलता है कि तुमने ही अपनी मर्जी से शादी की थी। ऐसे मामलों में पीड़िता मानसिक रूप से बहुत परेशान रहती है। जो शख्स उसे धोखा देता है, वह पहले ही पूरी साजिश रच चुका होता है। प्राय: वह उसकी जमा–पूंजी ले उड़ता है। यही नहीं, कई मामलों में तो आपत्तिजनक तस्वीरें खींचने और वीडियो रिकॉर्ड करने तक की बातें सामने आई हैं, ताकि यह कहते हुए पीड़िता पर दबाव बना सके कि अगर पोल खोली तो यह सामग्री इंटरनेट पर प्रसारित कर दी जाएगी। ऐसे ज्यादातर मामलों में एक बात सबमें मिलती है, वह है– शादी के लिए लुभाना। इसके लिए अपराधी तरह–तरह के हथकंडे अपनाता है। वह प्रेम का झूठा नाटक करता है। कई जगह तो ऐसा देखा गया कि एक ही व्यक्ति दो या इससे ज्यादा महिलाओं को धोखा दे रहा था। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में एक ऐसा मामला सामने आया था, जिसमें एक युवक ने युवती को अपने प्रेमजाल में फंसाया, मंदिर में शादी की, एक साल तक उसका शोषण किया। जब युवती ने बच्चे को जन्म दिया, तब उसे बताया कि वह असल में कौन है! ऐसे धोखेबाज किसी किस्म की नरमी के हकदार नहीं हैं। जब वे कठोर कानून से दंडित होंगे तो ऐसी मानसिकता रखने वाले अन्य लोगों को भी सबक मिलेगा। देश में इस तरह की घटनाओं की एक वजह अपने धर्म और संस्कृति से दूर होना भी है। हमारे ऋषियों ने विवाह करने से पूर्व गौत्र टालने का जो नियम बनाया, अगर उसी पर ठीक तरह से अमल कर लें तो संबंधित व्यक्ति की 'सच्चाई' सामने आ सकती है। बड़े–बुजुर्ग रिश्ता तय करने से पहले संबंधित व्यक्ति के पिछले चार पुरखों का नाम मालूम करते थे। अपने स्तर पर पूरी 'छानबीन' करने के बाद ही बात आगे बढ़ाते थे। आज कोरी भावुकता और फिल्मी प्रेम कहानियां ज्यादा हावी हैं, जिसके नतीजे सबके सामने हैं।

ट्वीटर टॉक

भाजपा सरकार ने यमुना जल समझौते को लेकर राजस्थान के साथ धोखा किया है। राजस्थान के हितों पर हरियाणा के सामने सरेंडर किया है। आज राजस्थान विधानसभा में यमुना जल समझौते में शेखावाटी की जनता से हुए धोखे की सच्चाई सामने रखी।

–गोविंद सिंह डोटासरा

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' का प्रारूप तैयार करने वाले, स्वाधीनता सेनानी श्री पिंगली वैंकेया जी की जयंती पर सविनय नमन। उनके इस महती कार्य से राष्ट्र की जन भावनाएं संगठित हुई, स्वतंत्रता के राष्ट्रीय संघर्ष को बल मिला।

–ओम बिरला

आज नई दिल्ली में भीलवाड़ा सांसद व भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल और देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष व प्रदेश महामंत्री ओमप्रकाश भड़ाना से स्नेहपूर्ण मुलाकात हुई। नवदायित्व की शुभकामनाओं के लिए आपका हार्दिक धन्यवाद!

–मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

धर्म का मर्म

लाहौर में आयोजित दरबार में महाराजा रणजीत सिंह जी का राजतिलक समारोह हो रहा था। जब उन्हें 'महाराजा' शब्द से संबोधित किया गया तो उन्होंने कहा, 'मैं राजा नहीं, सबका सेवक हूं। महाराजा तो वह ऊपर वाला है। मुझे मेरे नाम से ही पुकारो।' इसके बाद रस्म के मुताबिक उनके सिर पर हीरों का हार रखा जाना था। लेकिन उन्होंने हीरों से जड़ित ताज पहनने से भी इनकार कर दिया। परंपरानुसार उनके नाम पर 'महाराजा रणजीत सिंह सिक्का' चलाने का अवसर आया। लेकिन उन्होंने कहा यह सिक्का मेरे नाम पर नहीं, गुरुनानक देव जी महाराज के नाम पर चलाया जाना चाहिए और तब पहली बार नानकशाही सिक्का चलाया गया। रणजीत सिंह ने न्याय को सर्वोपरि धर्म घोषित कर प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष न्याय और आवश्यक सुविधाएं दिए जाने का आदेश जारी किया। वे धर्म का असली मर्म समझते थे।

सामयिक

आरक्षण के भीतर आरक्षण की व्यवस्था का अहम फैसला

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों–जनजातियों यानी एससी–एसटी समुदाय में आरक्षण के भीतर आरक्षण का रास्ता साफ करके आरक्षण की व्यवस्था को तार्किक, न्यायसंगत, समानतापूर्ण बनाने का सराहनीय कार्य किया है। न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उदघाटित हो रही है। यह फैसला कई बिल्कुल अलग–अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी–एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक–सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। यह भी एक तथ्य है कि एससी–एसटी समुदाय में कई जातियां ऐसी हैं, जिन्हें आरक्षण का न के बराबर लाभ मिला है। ऐसा इसीलिए हुआ है, क्योंकि आरक्षण का अधिक लाभ इन वर्गों की अपेक्षाकृत समर्थ जातियां उठाती हैं। यही स्थिति ओबीसी में है। कई अति पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचा है। राजनीतिक एवं संवैधानिक विसंगतियों के कारण ऐसा होता रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह–एक के बहुमत से एससी–एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया, वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस फैसले से 2004 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी–एसटी समुदाय एक जैसा है और उनकी विभिन्न जातियों में कोई भेद नहीं किया जा सकता। यह वस्तुस्थिति नहीं थी, इस विसंगति को सुधार कर सुप्रीम कोर्ट ने न्यायसंगत उपक्रम किया है। अब राज्यों एवं केन्द्र सरकार को बहुत सावधानी से कदम उठाने होंगे। इस ताजे फैसले के बाद अनेक राज्यों में जातिगत गणना की होड़ शुरु हो सकती है एवं राजनीति दलों में आरक्षण का मुद्दा नये आक्रामक रूप में उभर सकता है। लेकिन एक आदर्श समता, समानता एवं संतुलनमूलक समाज–व्यवस्था को निर्मित करने की दिशा में कोर्ट का यह फैसला अहम है।

संविधान पीठ के अनुसार, आरक्षण का मुख्य मकसद आर्थिक और सामाजिक समानता लाना है, पर इसके लिए शहर और गांव की सामाजिक हकीकत में अंतर के साथ आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है। एससी समुदाय में भी दो बड़े वर्ग है, जिनमें गहरा फासला है। बड़े अफसरों और बड़े वकीलों के बच्चों की तुलना में मैला ढोने वाले बच्चों से करना कैसे न्यायसंगत हो सकता है? इसलिए पीछे रह गई जातियों को मुख्यधारा में लाने के लिए ओबीसी की तर्ज पर एससी में भी कोटे के भीतर कोटे को न्यायाधीशों ने सांविधानिक माना है। आज के समय में इस फैसले की जरूरत को समझा जा सकता है, लेकिन समस्या यह है कि देश में 140 करोड़ जनसंख्या की सामाजिक स्थिति और आर्थिक हैसियत के आंकड़े स्पष्ट तौर पर उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में जनसंख्या के आधार पर आनुपातिक आरक्षण की मांग बढ़ने से सामाजिक और राजनीतिक विद्वेष बढ़ सकता है। क्या इस फैसले से राज्यों में मनमानी बढ़ सकती है? अब नौजवानों से जुड़े अनेक मुद्दों जैसे रोजगार, कोचिंग, अग्निवीर, नीट, इंटर्नशिप, नकल और शिक्षा पर बहस के बीच इस फैसले से क्रीमीलेयर का मुद्दा फिर गरमा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एससी–एसटी आरक्षण में उपवर्गीकरण करने का अधिकार राज्य सरकारों को भी दे दिया है। इस अधिकार का दुरुपयोग होने की आशंका भी है, क्योंकि सत्तारूढ़ राजनीतिक दल वोट बैंक बनाने के लालच में एससी–एसटी जातियों का मनमाना उपवर्गीकरण कर सकते हैं। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि आरक्षण सामाजिक न्याय का जरिया है, न कि वोट बैंक की राजनीति का हथियार। वैसे भी अब तक देश में आरक्षण वोट बैंक को सुदृढ़ बनाने का हथियार बना रहा है और राजनीतिक दल इसका अनुचित लाभ उठाते हुए अपेक्षित समुदायों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचने दिया।

सुप्रीम कोर्ट के नये फैसले के बाद स्थितियां उग्र एवं आक्रामक होने के साथ प्रभावी भी होगी। इसलिये अब आरक्षण का कई पहलुओं से मूल्यांकन जरूरी हो गया है। वैसे फैसले में साफ कर दिया गया है कि किसी भी तरह का उप–वर्गीकरण स्पष्ट और भरोसेमंद डेटा के ही आधार पर ही किया जा सकता है। देखा जाए तो इस शर्त के जरिए फैसले का संकीर्ण एवं स्वार्थपूर्ण राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करने की संभावित कोशिशों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग, महिला, ईडब्ल्यूएस जैसी सभी वर्गों के आरक्षण को जोड़ा जाए, तो 99 फीसदी आबादी आरक्षण के दायरे में आ जाती है। चारों राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर देखें, तो इस फैसले के बाद आरक्षण की राजनीति के साथ अदालतों में मुकदमेबाजी भी बढ़ सकती है, जिसका समाधान सूझबूझ एवं लोकतांत्रिक तरीके से करना होगा। अनुच्छेद–19 के तहत नागरिकों को पूरे देश में व्यवसाय और रोजगार का अधिकार है, इसलिए आरक्षण के माध्यम से न्याय और समानता स्थापित करने के लिए जातियों के व्यापक वर्गीकरण की राष्ट्रीय नीति को न्यायिक मान्यता देनी पड़ेगी।

हमारे देश में आरक्षण की व्यवस्था को लागू करते समय भी इसी बात की जरूरत महसूस की गई थी कि आरक्षण व्यवस्था से समाज के वंचित और उपेक्षित वर्ग-समुदाय को समाज की मुख्यधारा में आने का मौका मिलेगा। ऐसा हुआ भी। पर इस तरह की आवाजें भी लगातार उठने लगी हैं कि एससी-एसटी वर्ग में कुछ लोगों को ज्यादा फायदा मिल रहा है और कुछ तक आरक्षण व्यवस्था का अंश तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसको लेकर इन आरक्षित वर्गों में ही विद्रोह के भाव भी समय-समय पर देखने को मिलते रहे हैं। अच्छा होगा कि एससी-एसटी आरक्षण का उपवर्गीकरण करने के साथ ही उसमें क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू किया जाए।

आरक्षण के बावजूद अपेक्षित लोगों को इसका लाभ न मिलना संवैधानिक एवं राजनीतिक विसंगति का प्रमाण है। ताजे फैसले के बाद राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में भी आरक्षण के लिए अलग–अलग श्रेणियां बना सकती हैं। इस फैसले के बाद इन वर्गों में हाशिए पर पड़ी जातियों को आरक्षण का फायदा मिलने की उम्मीद जगी है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह बात भी लगातार उठाई जा रही थी कि समुचित अवसर नहीं मिलने के कारण आरक्षित एससी–एसटी वर्ग में भी ऐसी कई जातियां हैं जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ेपन से उबर नहीं पा रही हैं। आरक्षण के बावजूद भूमिहीन एवं निर्धन लोगों की स्थिति आज भी दयनीय एवं असंतुलित है। क्योंकि उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के बच्चों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी स्थिति गांव में रहने वाले भूमिहीन–निर्धन–अभावग्रस्त लोगों के बच्चों जैसी है। सच यही है कि आरक्षण की व्यवस्था का फायदा भी एससी/एसटी श्रेणी के तहत आने वाली सभी जातियां समान रूप से नहीं उठा सकीं। ताजा फैसला इस सचाई को स्वीकार करते हुए राज्य सरकारों के लिए यह गुंजाइश बनाता है कि वे इस व्यवस्था का फायदा उन तबकों तक पहुंचाने की व्यवस्था करें जिन तक यह ठीक से नहीं पहुंचा है।

हमारे देश में आरक्षण की व्यवस्था को लागू करते समय भी इसी बात की जरूरत महसूस की गई थी कि आरक्षण व्यवस्था से समाज के वंचित और उपेक्षित वर्ग–समुदाय को समाज की मुख्यधारा में आने का मौका मिलेगा। ऐसा हुआ भी। पर इस तरह की आवाजें भी लगातार उठने लगी हैं कि एससी–एसटी वर्ग में कुछ लोगों को ज्यादा फायदा मिल रहा है और कुछ तक आरक्षण व्यवस्था का अंश तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसको लेकर इन आरक्षित वर्गों में ही विद्रोह के भाव भी समय–समय पर देखने को मिलते रहे हैं। अच्छा होगा कि एससी–एसटी आरक्षण का उपवर्गीकरण करने के साथ ही उसमें क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू किया जाए। आरक्षित वर्गों में जो भी अपेक्षाकृत सक्षम और संपन्न हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ दिया जाना सामाजिक न्याय की मूल भावना के खिलाफ तो है ही, वंचित–निर्धन लोगों के साथ किया जाने वाला अन्याय भी है। आरक्षण प्रदान करते समय यह देखा ही जाना चाहिए कि उसका लाभ पाने वाला पात्र है या नहीं? अब जब सुप्रीम कोर्ट ने एससी–एसटी समुदाय में आरक्षण के उपवर्गीकरण और क्रीमी लेयर की जरूरत जता दी है, तब फिर यह आवश्यक हो जाता है कि मोदी सरकार ओबीसी आरक्षण में उपवर्गीकरण की संभावना का पता लगाने के लिए गठित रोहिणी आयोग की रिपोर्ट पर अमल करने की दिशा में आगे बढ़े। कुल मिलाकर, ताजा फैसला न सिर्फ नीति–निर्माण के स्तर पर महत्वपूर्ण दखल है बल्कि आरक्षण जैसे मसले पर भविष्य के लिए दिशासूचक का भी काम कर सकता है।

नजरिया

भारतीय ज्ञान परंपरा : नई शिक्षा नीति

प्रवीण गुगनानी

मोबाइल : 9425002270

इसे युगांतरकारी कदम कहा जाना चाहिये या अपनी भूमि, अपनी मिट्टी से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण व महत्वाकांक्षी प्रयास। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जिस प्रकार से भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन–अध्यापन, लेखन–पठन पर विशेष रूप से केंद्रित किया गया है वह अपने आप में स्वयं को पहचानने का एक प्रयास है। हम पिछले दशकों में अंग्रेजों की दी हुई शिक्षा पद्धति में हम स्वयं को ही भूल चुके थे। यूजीसी द्वारा नई युवा, छात्र पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने के अनेक सार्थक व सकारात्मक प्रयास किए जा रहें हैं। विगत दो सौ वर्षों में भारत में चल रही शिक्षा पद्धति ने हमसे हमारा राष्ट्रीय गौरव भाव छीनकर हमें आत्म ग्लानि, व हीनता के भाव से भर दिया था। अब विषय चाहे कोई भी हो, सभी में भारतीयता से जुड़े हुए विषयों का समावेशन आत्म गौरव के भाव को बढ़ाता है।

मैकॉले की शिक्षा पद्धति से हमारी विमति–असहमति दशकों पूर्व से चल रही थी। असहमति के स्वर थे किंतु इस असहमति का निराकरण नहीं हो पा रहा था।गणित, चिकित्सा विज्ञान, योग विद्या, शस्त्र निर्माण, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, कृषि विज्ञान, कला, साहित्य, संगीत, वास्तुकला, मूर्तिकला, धातु विज्ञान, वस्त्र निर्माण, न्याय, दर्शन, खगोल विज्ञान, ज्योतिष आदि आदि कई विषयों में हमारी समृद्ध, बलशाली व गौरवशाली विरासत हमें मिली है। हमें हमारी विरासत से सतत वंचित किया गया था। शिक्षाविद सतत इस बात को कह रहे थे कि वर्तमान शिक्षा पद्धति हमें दीन–हीन स्थिति में ले जा रही है, किंतु उनके स्वर अनसुने ही रह रहे थे। मैकॉले की शिक्षा पद्धति ने हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा को समाप्त करने के संपूर्ण प्रयास किए थे। अंग्रेजों ने ये सब इसलिए किया क्योंकि वे जानते थे कि इस ज्ञान परंपरा के प्रवाह चलते रहने से वे हमें अपना गुलाम नहीं बना पायेंगे। स्वयं के हीनता बोध को समाप्त करने हेतु भी अंग्रेजों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को नष्ट किया।

स्वातंत्र्योत्तर भारत में जो कार्य सर्वप्रथम होना चाहिये थे वह अब हो रहा है। हमारी स्व आधारित शिक्षा पद्धति हमें अब मिल रही है।

शिक्षा क्या है, शिक्षण क्या है और शिक्षकत्व क्या है? विशुद्ध भारतीयता अर्थात सनातन स्वमेव ही शिक्षण को व्यक्त करता है। शिक्षण में शिक्षा और शिक्षकत्व के सभी तत्त्व समाहित हो ही जाते हैं। तनिक विस्तार से और तथ्यपूर्वक समझने हेतु यजुर्वेद के दूसरे अध्याय के 33 वें मंत्र को समझते हैं – 'आधत्त पितरो गर्भं कुमारं पुषकरमस्त्रजम। यथेह पुरुषो –सत।।'

महर्षि दयानंद सरस्वती ने इस मंत्र की व्याख्या की है – ईश्वर आज्ञा देता है कि विद्वान पुरुष और स्त्रियों को चाहिए कि विद्यार्थी कुमार व कुमारी को विद्या देने के लिए गर्भ की भाँति धारण करें जैसे क्रम क्रम से गर्भ के मध्य देह बढ़ती है वैसे अध्यापक लोगों को चाहिए कि अच्छी अच्छी शिक्षा से ब्रह्मचारी कुमार व कुमारी को श्रेष्ठ विद्या में वृद्धि करें तथा उनका पालन करें वह विद्या के योग से धर्मात्मा और पुरुषार्थ युक्त होकर सदासुखी हो। ऐसा अनुष्ठान सदैव करना चाहिए। वैदिक वाङ्मय में शिक्षक अर्थात आचार्य शब्द के संदर्भ में व्याख्या है – आचार्य वह जो आचरण की शिक्षा दे, सदाचार दे, दुराचार से दूर रखे। महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने शिक्षा शब्द को भी परिभाषित करते हुए कहा है – शिक्षा वह जिससे मनुष्य की आत्मा, धर्मात्मा बने, व्यक्ति जितेन्द्रिय हो। हमारी वैदिक धरोहर यजुर्वेद के छठे अध्याय के 14 वें मंत्र मे वैदिक शिक्षा पद्धति को क्रमानुसार पाठ्यक्रम रूप में रचा गया है – वाचं ते शुन्धामि। प्राणं ते शुन्धामि। चक्षुस ते शुद्धामि। श्रोत्रम ते शुद्धामि। नाभि ते शुद्धामि। मेध्रम ते शुद्धामि। पायुम ते शुद्धामि। चरित्राम ते शुद्धामि।

इस मंत्र में आचार्य अपने शिष्य से कहते हैं, मैं नाना प्रकार की शिक्षाओं से तेरी वाणी को शुद्ध करता हूं, तेरे नेत्र को शुद्ध करता हूं, तेरी समस्त इंद्रियों को शुद्ध करता हूं और इस प्रकार मैं तेरे चरित्र को शुद्ध करता हूं तेरे। वस्तुतः शिष्य का जितेन्द्रिय हो जाना ही शिक्षा को आत्मसात कर लेना ही शिक्षा में भारतीयता है। ऐंद्रिय दृष्टि से जितेन्द्रिय हो जाने को अर्थात विवेकशील हो जाने व शुचितापूर्ण हो जाने को ही सनातन ने प्रमाणपत्र माना है। भारतीयता सनातन की धुरी पर ही घूमती है।

यहाँ प्रश्न यह उपजता है कि, भारतीयता क्या है?! या जब शिक्षा का भारतीयकरण ही हमारी शैक्षिक व्यवस्था की मूल आवश्यकता है तो ये शिक्षा का भारतीयकरण है क्या?! जीवन के विविध, विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयता की स्थापना या उनमें देशज तत्व को स्थापित कर देना ही भारतीयता है। इस कार्य में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका के तत्त्व का बना रहना ही शिक्षा का भारतीयकरण है। भारतीयता के अनिवार्य व मूल तत्त्व हैं – भूमि, जन, संप्रभुता, भाषा एवं संस्कृति। हमने यहाँ इन पाँच शब्दों के पूर्व भारतीय शब्द का उपयोग नहीं किया है किंतु जीवन के इन तत्वों में भारतीयता का समावेशीकरण और भारतीयता से ही इन शब्दों के सत्व को साधना यही भारतीयकरण है। हमारी शिक्षा व्यवस्था और भारतीयता विषय की मूल अवधारणा को अति संक्षेप या सूक्ष्म रूप में इस प्रकार ही समझा जा सकता है। विस्तार करें तो, अंतःकरण की शुचिता, बाह्य शुचिता, सात्विकता का सातत्य बनाये रखना और इनसे आनन्दमय रहना है। देशज भारतीय जीवन मूल्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना और उनकी सतत रक्षा ही सच्ची भारतीयता की कसौटी है। संयम, अनाक्रमण, सहिष्णुता, त्याग, औदार्य, रचनात्मकता, सह–अस्तित्व, बन्धुत्व, सर्व समावेशी, सर्व स्पर्शी, समरसता, आदि आदि प्रमुख भारतीय जीवन मूल्य हैं जो शिक्षा में समाहित हों यह आवश्यक हैं। स्वदेशी का आग्रह रखते हुए हम वैश्वीकरण के न केवल अग्रदूत बनें अपितु वैश्वीकरण करण को अपने स्वभाव में स्थापित किए रहें यह भी भारतीयता या सनातनता है। वस्तुतः भारतीय शिक्षा पद्धति या वैदिक शिक्षण ही हमें वह वैचारिक आधार देता है जिस आधार पर स्थिर होकर हम देशज के आग्रह के साथ वैश्विक होते भी हैं और विश्व को भारतीयता में ढलने का संदेश भी देते हैं। इस उपक्रम के फलस्वरूप वैदिक धर्म में विश्व का कितना ध्यान आकृष्ट हुआ है यह किसी से छिपा नहीं है। पर अत्यधिक बल देता है। हमारी शिक्षा में विश्वबंधुत्व का भाव समूचे विश्व में हमारी भारतीयता का द्योतक बन हमारा वैचारिक नेतृत्व करता है। विश्वबंधुत्व का यह अविरल, अविचल अद्भुत और उद्भट भाव हमें हमारी आध्यात्मिकता मात्र से मिलता है। तभी तो स्वामी विवेकानंद ने कहा है – भारतीयता आध्यात्मिकता की तरंगों से ओत प्रोत रहने वाला और एक अविभाजित रहने वाला तत्त्व है। तो, यहाँ से हम समझ समझ सकते हैं कि भारतीयता का अनिवार्य तत्त्व आध्यामिकता है। इस आध्यामिकता से ही युगों युगों से हमारी शिक्षा पद्धति सिद्ध रही है और विश्वगुरु के आसन पर एक बड़े ही दीर्घ कालखंड तक विराजित रहे हैं। वसुधैव कटुम्बकम की अवधारणा अर्थात संपूर्ण विश्व को परिवार मानने का व्यापक मानस भारतीयता का और भारतीय शिक्षा का मूल तत्त्व है – अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम।।

यह मेरा है, यह पराया है, ऐसे विचार तुच्छ या निम्न कोटि के व्यक्ति करते हैं। उच्च चरित्र वाले व्यक्ति समूचे विश्व को ही कुटुंब मानने का आचरण स्थिरता से धारण किए रहते हैं। शिक्षण में भारतीयता ही भारतवंशी के मानस में यह विचारतत्त्व स्थापित करती है कि –

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित दुःख भाग्भवेत।।

शिक्षा में भारतीयता ही तो है जो हमें हमें अपने स्थान, ग्राम, जनपद, प्रांत, राष्ट्र से ऊपर उठाकर हमसे कृण्वन्तो विश्वमार्यम का उद्घोष कराती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रूस, अमेरिका के बीच कैदियों की अदला-बदली में रूसी खुफिया एजेंट को भी छोड़ा गया

तालिन (एस्टोनिया)। अमेरिका और रूस के बीच शीत युद्ध के बाद कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली में रूस ने पहली बार स्वीकार किया कि पश्चिमी देशों में पकड़े गए कुछ रूसी नागरिक उसकी सुरक्षा सेवाओं से जुड़े थे।

रिहा किए गए कैदियों के परिवारों ने इस आश्चर्यजनक रिहाई पर अपनी खुशी व्यक्त की। बृहस्पतिवार रात अमेरिकी प्रांत मैरीलैंड में पत्रकार इवान गेर्शकोविच और अलसू कुर्माशेवा तथा पूर्व मरीन पॉल व्हेलन का उनके परिवारों ने स्वागत किया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इस पर खुशी जताई।

वहीं, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मास्को के वानुकोवो हवाई अड्डे पर वापस आए प्रत्येक रूसी नागरिक को गले लगाया।

लौटने वाले आठ लोगों में वादिम कसीकोव भी शामिल था, जो एक रूसी हत्यारा था और 2019 में बर्लिन के एक पार्क में एक पूर्व चेचन लड़ाके की हत्या के लिए जर्मनी में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। जर्मन न्यायाधीशों ने कहा था कि हत्या रूसी अधिकारियों के आदेश पर की गई थी। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि कसीकोव संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) का अधिकारी है और पश्चिमी देशों को भी यह तथ्य बताया गया। उन्होंने यह भी कहा कि कसीकोव ने एक बार पुतिन के कुछ अंगरक्षकों के साथ एफएसबी की विशेष अल्फा इकाई में काम किया था। पेसकोव ने कसीकोव को कैदियों की इस अदला-बदली में शामिल करने में पुतिन की गहरी दिलचस्पी को रेखांकित करते हुए कहा, स्वाभाविक रूप से, उन्होंने कल भी एक-दूसरे का अभिवादन किया।

पेसकोव ने यह भी पुष्टि की कि स्लोवेनिया में रिहा किए गए दंपति आर्टेम डुल्टसोव और अन्ना डुल्टसोवा अंडरकवर खुफिया अधिकारी थे।

अर्जेंटीना के प्रवासियों के रूप में, उन्होंने 2017 से ल्यूब्लजाना को अपने आधार के रूप में इस्तेमाल किया, ताकि मास्को के आदेशों को अन्य स्लीपर एजेंट तक पहुंचाया जा सके और 2022 में जासूसी के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

पाकिस्तान में न्यायाधीशों के काफिले पर हमला, दो पुलिसकर्मी मारे गए

पेशावर/भाषा। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में स्थित अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों ने शुक्रवार को ड्यूटी करके घर लौट रहे न्यायाधीशों के एक काफिले पर घात लगाकर हमला कर दिया जिससे उनकी सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सभी तीन न्यायाधीश सुरक्षित हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, आतंकवादियों की ओर से घात लगाकर किए गए सशस्त्र हमले में न्यायाधीशों की रक्षा करते समय ड्यूटी के दौरान दो पुलिसकर्मी मारे गए, जबकि दो अन्य घायल हो गए।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान में टैंक जिले की अदालतों में ड्यूटी के बाद न्यायाधीशों का काफिला जब उनके घरों की ओर जा रहा था तो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, लेकिन इसके बावजूद सशस्त्र आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया।

दौरा

शिमला में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र के समेज में बादल फटने वाली जगह का दौरा किया।

कवयित्री प्रिया वर्मा को भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली/भाषा। कवयित्री प्रिया वर्मा को उनके पहले कविता संग्रह 'स्वप्न से बाहर पाँव' के लिए 2024 का 'भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार' प्रदान किया गया है। आयोजक रज़ा फाउंडेशन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

वर्मा के कविता संग्रह के बारे में चयनकर्ता एवं आलोचक मदन सोनी ने कहा कि उनकी कविताएं बहुत जटिल मानवीय अनुभवों को दर्शाती हैं।

सोनी ने कहा कि ये कविताएं संदर्भों की तात्कालिकता का अतिक्रमण कर अनुभव को उसकी सार्वकालिकता-सार्वभौमिकता के प्रकाश में पकड़ने का प्रयास करती हैं। उन्होंने कहा कि वर्मा की कविताएं बार-बार 'प्रेम' पर एकाग्र होती हैं और उसकी बहुत सूक्ष्म तहों एवं सलवटों को उकेरती हैं तथा उसे मानवीय अस्तित्व के मूलगामी अभिप्राय के रूप में देखने का यत्न करती हैं। सोनी ने कहा, कविताएं जूझती और उलझती हैं, जिरह करती हैं, लेकिन सिर्फ दुनिया से नहीं, बल्कि खुद से भी। हिंदी के चर्चित कवि भारत भूषण अग्रवाल का जन्म तीन अगस्त 1919 में उत्तर प्रदेश के मथुरा में हुआ था। वह सच्चिदानंद वात्स्यायन के काव्य संकलन 'तार सप्तक' में शामिल कवियों में से एक हैं। अग्रवाल को उनके कविता संग्रह 'उतना वह सूरज है' के लिए 1978 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। अग्रवाल की बेहतरीन रचनाओं में 'जागते रहो, मुक्तिमार्ग, ओ अप्रस्तुत मन' और 'एक उठा हुआ हाथ' शामिल हैं।

यह पुरस्कार अग्रवाल के परिवार ने 1979 में स्थापित किया था। इसके तहत समकालीन युवा कवि की सर्वश्रेष्ठ कविता को सम्मान दिया जाता है।

एप्पल ने जून तिमाही में भारत और 24 अन्य देशों में रिकॉर्ड राजस्व कमाया

नई दिल्ली/भाषा। आईफोन बनाने वाली दिग्गज कंपनी एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने शुक्रवार को कहा कि जून तिमाही में कंपनी ने भारत समेत करीब 25 देशों में रिकॉर्ड राजस्व वृद्धि दर्ज की।

एप्पल की अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध आय 7.8 प्रतिशत बढ़कर 21.44 अरब डॉलर हो गई। यह एक साल पहले इसी अवधि में 19.8 अरब अमेरिकी डॉलर थी। कंपनी की समीक्षाधीन तिमाही में कुल शुद्ध बिक्री 4.8 प्रतिशत बढ़कर 85.77 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई। यह 2023 अप्रैल-जून तिमाही में 81.79 अरब अमेरिकी डॉलर थी।

एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कंपनी के तिमाही नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा, एप्पल ने जून तिमाही में 85.8 अरब अमेरिकी डॉलर का नया राजस्व रिकॉर्ड दर्ज किया जो एक साल पहले की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक है। यह हमारी उम्मीद से भी बेहतर है। हमने कनाडा, मैक्सिको, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, भारत, इंडोनेशिया, फिलिपीन और थाईलैंड सहित 24 से अधिक देशों तथा क्षेत्रों में तिमाही के दौरान रिकॉर्ड राजस्व हासिल किया। एप्पल का भारत, इंडोनेशिया, फिलिपीन और थाईलैंड से राजस्व अप्रैल- जून तिमाही में एक वर्ष पूर्व की तुलना में 76 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया। हालांकि आलोच्य अवधि में आईफोन की बिक्री करीब एक प्रतिशत घटकर 39.29 अरब डॉलर रह गई, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही में 39.66 अरब डॉलर थी। एप्पल मैक की बिक्री सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़कर सात अरब अमेरिकी डॉलर हो गई। यह पिछले साल अप्रैल-जून में 6.8 अरब अमेरिकी डॉलर थी। वहीं आईपैड की बिक्री 5.8 अरब अमेरिकी डॉलर से 24 प्रतिशत बढ़कर 7.16 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई।

15 अगस्त को प्रदर्शित होगी रवि तेजा की 'मिस्टर बच्चन'

मुंबई/एजेन्सी

कुछ समय पहले ही, निर्माताओं ने रवि तेजा की अगली फिल्म की नई रिलीज की तारीख का खुलासा करने के बाद, मिस्टर बच्चन के नए पोस्टर का अनावरण करके उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म में तेलुगु स्टार एक आयकर अधिकारी की भूमिका में हैं। उन्होंने प्रशंसकों के साथ टीज़र साझा करने का फैसला किया, जो यह देखने के लिए उत्साहित थे कि अभिनेता ने उनके लिए क्या रखा है। भाग्यश्री बोरसे की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म का निर्देशन हरीश शंकर ने किया है।

टीज़र 29 जुलाई को जारी किया गया था और इसकी शुरुआत रवि तेजा द्वारा भाग्यश्री बोरसे द्वारा निभाई गई एक गाँव की सुंदरी की प्रशंसा करने और उसे लुभाने के प्रयास से होती है। टीज़र हमें बैकग्राउंड में लोकप्रिय हम आपके हैं कौन के गीत 'दीदी तेरा देवर' का उपयोग करके 80 के दशक की झलक देता है और बाद में, यह रवि द्वारा निभाई गई भूमिका पर ध्यान केंद्रित करता है जो कि एक गंभीर आयकर अधिकारी की है। गौरतलब है कि यह फिल्म 2018 की हिन्दी फिल्म रेड की रीमेक है, जिसमें अजय देवगन और इलियाना डिक्रूज मुख्य भूमिका में थे। लेकिन टीज़र को देखकर ऐसा लगता है कि तेलुगु फिल्म के निर्माताओं ने इसे बड़े पैमाने पर एक्शन और नाटकीय दृश्यों जैसे पर्याप्त व्यावसायिक तत्वों के साथ पेश किया है।

1980 के दशक की शुरुआत में सरदार इंदर सिंह के आयकर छापे के मामले में घटित वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित, मिस्टर बच्चन को हरीश शंकर ने लिखा और निर्देशित किया है।

मिकी जे. मेयर द्वारा संगीत, अयानंका बोस द्वारा छायांकन और कोला अविनाश द्वारा कला निर्देशन के साथ, यह फिल्म पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले निर्मित की गई है। यह 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज़ होने वाली है, और उम्मीद है कि यह थंगालान और डबल इस्मार्ट जैसी पैन इंडिया मनोरंजक फिल्मों सहित अन्य रिलीज़ के साथ टकराएगी।

आदित्य धर की अगली फिल्म में आर माधवन निभाएंगे अजीत डोभाल का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

शनिवार, 27 जुलाई को, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज ने पुष्टि की कि उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक (2019) के निर्देशक आदित्य धर की अगली फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल होंगे। इन पांचों अभिनेताओं और आदित्य धर की एक ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीर निर्माताओं द्वारा जारी की गई थी और यह चर्चा का विषय बन गई थी। यह फिल्म पिछले हफ्ते 25 जुलाई को फ्लोर पर भी आई थी।

प्रेस रिलीज़ में यह नहीं बताया गया कि फिल्म किस बारे में है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, यह एक पीरियड एक्शन थ्रिलर है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच भू-राजनीतिक परिदृश्य की पृष्ठभूमि पर आधारित है। जल्द ही, कयास लगाए जाने लगे कि रणवीर भारत के वर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की युवावस्था में भूमिका निभाएंगे। बॉलीवुड हंगामा को पता चला है कि फिल्म में अजीत डोभाल के जीवन को दिखाया गया है, लेकिन रणवीर इस किरदार को नहीं निभाएंगे।

बॉलीवुड हंगामा को एक सूत्र ने बताया, आर माधवन इस प्रतिष्ठित भूमिका को निभा रहे हैं। फिल्म में उनका लुक काफी अलग और अलग होगा और यह कुछ ऐसा है जिसे लेकर रणवीर काफी उत्साहित हैं। हमेशा की तरह, वह इस भूमिका में भी अपना दिल और आत्मा लगा रहे हैं। निर्माताओं को पूरा भरोसा है कि यह देखने लायक है।

हालांकि सूत्र को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी कि किरदार का नाम अजीत डोभाल होगा या यह उस व्यक्ति से प्रेरित होगा। साथ ही, रणवीर सिंह द्वारा निभाए जाने वाले किरदार के बारे में भी कोई विवरण उपलब्ध नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि यह दूसरी बार है जब आदित्य धर अपनी फिल्म में अजीत डोभाल को दिखाएंगे। उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक में, परेश रावल का किरदार गोविंद भारद्वाज अजीत डोभाल पर आधारित था। निर्माताओं द्वारा दी गई प्रेस विज्ञप्ति से यह भी स्पष्ट होता है कि आम धारणा के विपरीत, फिल्म का नाम धुरंधर नहीं है। फिल्म, अभी तक, बिना शीर्षक वाली है। इसका निर्माण जियो स्टूडियो की ज्योति देशपांडे ने लोकेश धर और आदित्य धर के साथ मिलकर अपने बैनर बी62 स्टूडियो के तहत किया है।

'वागले की दुनिया' में, राजेश और वंदना का सही रिश्ता मुश्किलों से गुज़रता है

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब का 'वागले की दुनिया – नई पीढ़ी नए किस्से' वागले परिवार की रोज़मर्रा की समस्याओं और उनसे जीत की कहानी दर्शाता है। हाल के एपिसोड में, राजेश (सुमीत राघवन) के मन में कछुए और खरगोश की तुलना घर कर जाती है। अथर्व (शीहान कपाही) की आलोचना से परेशान होकर, वह लापरवाही से ज़ोखिम उठाना शुरू कर देता है, जिसमें वंदना के गहनों को गिरवी रखकर शेयर मार्केट में निवेश करना भी शामिल है। उसकी हरकतें अच्छाई की सीमाओं को पार कर जाती हैं, जिससे उसके प्रियजनों की चिंताएं बढ़ जाती हैं। आगामी एपिसोड्स में दिखाया जाता है, कि वंदना (परिवा प्रणति) राजेश की जुआ खेलने की आदत और अथर्व का सम्मान हासिल करने की कोशिश से परेशान है। उसके अजीब बर्ताव से निपटने की उसकी कोशिशों के बावजूद, उनका रिश्ता तनावपूर्ण हो जाता है, जिससे कभी अटूट माने जाने वाले इस जोड़े के बीच निरंतर झगड़ा होने लगता है। वंदना और राजेश के बीच के बढ़ते झगड़े का असर पूरे परिवार पर पड़ने लगता है, जिससे वे स्थिति के बारे में चिंतित हो जाते हैं।

राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले, सुमीत राघवन ने कहा, राज और वंदू हमेशा आदर्श कपल रहे हैं। 3 साल तक, दर्शकों ने उन्हें एक-दूसरे का विरोध किए बिना साथ मिलकर जीवन के उतार-चढ़ावों का सामना करते हुए देखा है। हालांकि, राजेश के हालिया बेपरवाह बर्ताव और उसकी अजीबोगरीब हरकतों ने वंदना को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है जहां उसके सब्र का बांध टूटने लगा है। उसे लगता है कि माता-पिता को अपने टीनेजर बच्चों को संतुष्ट करने के लिए मौलिक रूप से नहीं बदलना चाहिए। राजेश के लिए इसे समझना चुनौतीपूर्ण है। उनके बीच की बढ़ती दूरी निस्संदेह सभी को चिंतित करेगी और यह देखना दिलचस्प होगा कि हमारा यह आदर्श कपल अपनी दूरियों को कैसे मिटाएगा।

वरुण धवन-सामंथा रुथ की 'सिटाडेल हनी बनी' 7 नवंबर को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

आगामी जासूसी एक्शन स्ट्रीमिंग शो 'सिटाडेल हनी बनी' इस साल 7 नवंबर को ओटीटी पर रिलीज होगा। शो की रिलीज की तारीख का खुलासा गुरुवार को मुंबई के बांद्रा पश्चिम इलाके में महबूब स्टूडियो में एक कार्यक्रम के दौरान किया गया।

कार्यक्रम में बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और शो में उनकी सह-कलाकार सामंथा रुथ प्रभु भी शामिल हुईं। वरुण ने बताया कि शो के निर्माताओं ने उन्हें सख्त निर्देश दिए थे कि यह शो उनका एकमात्र फोकस है और वह कोई अन्य प्रोजेक्ट या फिल्म भी नहीं कर सकते। 'सिटाडेल हनी बनी' वैश्विक श्रृंखला 'सिटाडेल' का भारतीय संस्करण है। मूल शो में प्रियंका चोपड़ा जोनास और रिचर्ड मैडेन मुख्य भूमिका में थे।

वरुण ने यह भी खुलासा किया कि वह थोड़ा हैरान थे क्योंकि उन्हें लगा था कि चूंकि यह प्राइम वीडियो शो है इसलिए इसमें बहुत ही भव्य सेट होंगे। हालांकि, शूटिंग मुंबई के 'ठाणे' और 'भांडुप' इलाकों में सड़कों पर हुई। उन्हें बताया गया था कि शो की कहानी में प्रामाणिकता लाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। अभिनेता ने यह भी बताया कि 'बदलापुर' के बाद यह उनके करियर में दूसरा मौका है जब वह किसी डार्क कहानी का हिस्सा हैं। 'सिटाडेल हनी बनी' में के के मेनन भी हैं।

इससे पहले वरुण धवन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट में कहा था कि वह 1 अगस्त को अपने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज देने वाले हैं। यह शो 7 नवंबर को प्राइम वीडियो पर आएगा।

नई दिल्ली में शुक्रवार को मानसून सत्र के दौरान संसद भवन जाती भाजपा सांसद कंगना रनौत।

मुस्कुराना और डांस करना न भूलें : नीरू बाजवा

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी फिल्म स्टार नीरू बाजवा, जो इस माह 44 साल की होने वाली हैं, वह अपने जन्मदिन के महीने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और उन्होंने इसकी शुरुआत वर्कआउट से की। नीरू ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें वह जिम में साइकिल पर वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। एथलीजर पहने अभिनेत्री कैमरे की ओर बड़े अदब से देख रही हैं। उन्होंने क्लिप को कैप्शन दिया: बर्थडे मंथ शुरू हो गया है! हर दिन बन रही शक्तिशाली! वर्कआउट के बीच में मुस्कुराना और डांस करना न भूलें। वर्क फ्रंट की बात करें तो नीरू ने हाल ही में घोषणा की कि उनकी आगामी फिल्म 'शुक्राना' की तारीख बदल दी गई है। उन्होंने फोटो-शेयरिंग वेबसाइट पर एक पोस्टर के साथ खबर साझा की। फिल्म अब 27 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी। उन्होंने एक अनाम फिल्म की भी घोषणा की है जो 9 मई, 2025 को रिलीज होने वाली है। दिलजीत दोसांझ के साथ उनकी हालिया रिलीज 'जट्ट एंड जूलियट 3' ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। फिल्म ने दुनियाभर में 107.51 करोड़ रुपए कमाए हैं। चार सप्ताह तक सिनेमाघरों में सफल प्रदर्शन के बाद, फिल्म ने दुनियाभर में 107.51 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। यह किसी पंजाबी फिल्म का दुनिया भर में सबसे अधिक कलेक्शन है। 'जट्ट एंड जूलियट 3' का निर्देशन जगदीप सिद्धू ने किया है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। व्हाइट हिल स्टूडियो, स्पीड रिकॉर्ड्स और स्टोरीटाइम प्रोडक्शंस द्वारा इसे निर्मित किया गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत 8
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 03-08-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजीने अपने प्रवचन में कहा कि सर्वज्ञ सर्वदर्शी अरिहन्त परमात्मा देशना के माध्यम से हमारी दिशा बदलते हैं। दिशा बदलेगी तो हमारी दशा भी बदलेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

केंद्रीय लघु-सूक्ष्म उद्योग राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे का मैसूरु में जैन समाज के लोगों ने सम्मान किया। इस मौके पर कांतिलाल पटवारी, गौतम सालेचा, विधायक श्रीवत्स, पूर्व विधायक नागेंद्र, भाजपा नेता मंजुनाथ एवं अन्य लोगों ने मंत्री करंदलाजे का सम्मान किया तथा राजस्थानी समुदाय की गतिविधियों की जानकारी दी ।

अपोलो अस्पताल ने लॉंच किया साइबरनाइफ एस7 रोबोटिक रेडियो सर्जरी सिस्टम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हेल्थकेयर में अग्रणी संस्थान 'अपोलो कैंसर सेंटर' ने दक्षिण एशिया का पहला और सबसे उन्नत साइबरनाइफ एस7 फिम रोबोटिक रेडियो सर्जरी सिस्टम पेश किया है। यह नई व उन्नत मशीन कैंसर और गैर-कैंसर ट्यूमर के क्रांतिकारी उपचार में बहुत कारगार सिद्ध हो रही है। कैंसर पर जीत के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए बेंगलूरु और चेन्नई के कैंसर केंद्रों ने भी -एक्यूरे कम्पनी के साथ साझेदारी में अपनी तरह की पहली साइबरनाइफ अकादमी लॉन्च कीहै। अकादमी दक्षिण एशिया और भारत के विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट, भौतिकविदों, विकिरण चिकित्सकों और प्रौद्योगिकीविदों को उन्नत रेडियोसर्जरी शैक्षिक प्रशिक्षण प्रदान करेग

साइबरनाइफ सिस्टम कैंसरयुक्त और गैर-कैंसरयुक्त ट्यूमर तथा अन्य स्थितियों के लिए एक गैर-आक्रामक उपचार है, जहाँ विकिरण चिकित्सा का संकेत दिया जाता है। इसका उपयोग मस्तिष्क, फेफड़े, रीढ़, प्रोस्टेट और पेट के कैंसर सहित पूरे शरीर की स्थितियों के उपचार के लिए किया जाता है और यह उन रोगियों के लिए सर्जरी का विकल्प हो सकता है, जिनके ट्यूमर का ऑपरेशन नहीं किया जा सकता या जिन्हें सर्जरी से गुजरना मुश्किल है। पहले विकिरण से उपचारित रोगी, जिन्हें मेटास्टेटिक घाव हैं या जिन्हें बार-बार कैंसर होता है, वे भी साइबरनाइफ उपचार से लाभ उठा सकते हैं।

शहर में एक पत्रकार वार्ता में लंदन से आए विशेष रुप से उपस्थित स्टिरियोटेक्टीस एवं रेडियो सर्जरी सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ इयान पेडिक, अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड की कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. प्रीता रेड्डी, अस्पताल के आन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख व अध्यक्ष डॉ दिनेश माधवन, आन्कोलॉजी विभाग के निदेशक हर्षद रेड्डी, अस्पताल के सीईओ डॉ मधु शशिधर आदि ने साइबरनाइफ एस7 फिम रोबोटिक रेडियो सर्जरी सिस्टम को लॉच किया। डॉक्टरों ने बताया कि साइबरनाइफ सिस्टम गति, सटीकता और सिंक्रोनसएँ एआई-संचालित, वास्तविक समय लक्ष्य ट्रैकिंग को गतिशील डिलीवरी के साथ जोड़कर विकिरण चिकित्सा में सबसे आगे हैं ताकि व्यापक श्रेणी के संकेतों के लिए सटीक हाइपोफ्रैक्शनेटेड एसआरएस/एसबीआरटी उपचार प्रदान किया जा सके, जिसमें सौम्य मस्तिष्क ट्यूमर, मस्तिष्क मेटास्टेसिस, चुनिंदा चिकित्सकीय रूप से दुर्दम्य कार्यात्मक संकेत शामिल हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पेपर डे

बेंगलूरु के दि कर्नाटका पेपर मर्चेंट्स स्टेशनर्स एसोसिएशन ने 1 अगस्त को पेपर डे के उपलक्ष्य में बीबीएमपी स्कूल से जागरुकता रैली निकाली गई जिसमें नागरिकों को कागज के उपयोग और विभिन्न प्रकार की भ्रांतिया के समाधान पर जानकारी दी तथा बाद में आदर्श स्कूल में चित्रकला प्रतिगोयिता आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद नेनावत, उपाध्यक्ष प्रवीण लुंकड़, सचिव विक्रम श्रीमाल, सहसचिव हुलाश कुमार, कोषाध्यक्ष रमेशकुमार सालेचा, कार्यकारणी सदस्यगण व एसोसिएशन के सदस्यगण उपस्थित रहे।

निशुल्क रक्तदान शिविर में एकत्र हुआ 51 यूनिट रक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानव सेवा कार्यों में अग्रणी संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन एवं संकल्प इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जिगनी स्थित एवनप्लास्ट परिसर में आयोजित निशुल्क रक्तदान शिविर में 51 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। श्रीराम जीवन बजाज की स्मृति में आयोजित इस निशुल्क शिविर का उद्घाटन सुनील बजाज, देवांश बजाज, फेडरेशन के मंत्री रणजीत मेहता, शिविर संयोजक राहुल मेहता, विशाल लुणावत आदि ने किया। फेडरेशन के उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी ने बताया कि एकत्रित रक्त थैलिसिमया से पीडित बच्चों के उपचार के उपयोग में लाया जाएगा।

'संसार के रिश्ते-नाते सब स्वार्थ से जुड़े हुए हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने गुरु मिश्री दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि संसार के रिश्ते-नाते सब स्वार्थ से जुड़े हुए है। संसार के रिश्ते-नाते इंसान की जगत में भटकाने साथ जीव को परम पद मुक्ति सुख के साधन के प्राप्ति कराने की दिशा में उसे दीनहीन कमजोर बनाते हैं। आत्मा को संसार के राग, सुख विषयों में भम्रित करते हुए उस धर्म, सत्कर्म, संयम की दिशा में आगे बढने में बाधक तत्त्व सिद्ध होते हैं। अतः व्यक्ति की संसार के इन क्षणिक रिश्तों में ज्यादा मोह नहीं करते हुए धर्माराधना, सेवा, परोपकार करके इस प्राप्त हुए अनमोल मानव भर्व की सार्थक बनाना चाहिए। हम सांसारिक आकर्षण में इस तरह लिप्त हो गए हैं कि भौतिक सुखों के आनन्द की छोड़ नहीं सकते, हम आत्मिक विकास तो करना चाहते हैं मगर भौतिक सुखों के त्याग की बात हमारी कल्पना से बाहर हैं। दो नावों पर पैर रखकर हम उस प्रकाश पुंज को पाना चाहते है जो मुक्ति का पथ हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि मानव की संपूर्ण जीवन यात्रा उसका सारा पुरुषार्थ व्यर्थ के सुखों को पाने के चक्कर में ही व्यर्थ हो जाता है। सभी प्राणी संसार में स्वार्थ की अपेक्षा करते हैं। फिर स्वार्थ सिद्ध होते ही उस इंसान से दूरी बना लेते हैं।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने संसार की नश्वरता, असारता पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि मनुष्य का कमाया धन, संपत्ति, वैभव सबका सब यहीं भूमिपन ही रह जाता है।

अंत में जीव के साथ उसके किये अच्छे-बुरे कर्म ही साथ में जाते हैं। सुरत के सब साथी बनेगे, दुःख में सब पीछे हट जायेंगें। धन पशुधन, प्राणप्यारी पत्नी, पुत्र, खजन - सगे सम्बन्धी मित्र तभी तक साथ देगें जब तक आपकी सांस चल रही है। इस शरीररुपी पिंजरे से जीवरूपी पंछी के उड़ते ही सब साथ छोड़ देते हैं। संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सबका स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए मंत्री सुरेशकुमार धोका ने बताया कि शनिवार को प्रातः 9:15 बजे से साध्वीद्वय की निश्रा में श्रमण संघीय आचार्य सम्राट श्री आनंदऋषिजी व उपाध्यायश्री केवलमुनिजी म.सा. की जयन्ती आयंबिल दिवस के रुप में तप-त्याग पूर्वक मनायी जायेगी।

हरियाली तीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की राजस्थानी मारवाड़ी महिलाओं ने सावन के मौके पर हरियाली तीज का त्यौहार मनाया तथा सिंजारा किया। महिलाओं ने शहर के राजस्थानी रिसोर्ट में अपनी सखियों के साथ रंग बिरंगी वेशभूषा धारण करके हर्ष उल्लास से हरियाली तीज मनाई। सुविधा शर्मा, हंसा शर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम को और मनोरंजक बनाने के लिए सखियों ने एक दूसरे के साथ कई तरह के खेल तम्बोला, पहेलियां व अन्य मनोरंजक प्रतियोगिता का भी भरपूर आनन्द लिया ।

स्थानकवासी परंपरा में आस्था के सूर्य है केवलमुनि : साध्वी विपुलदर्शना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ श्रीरामपुरम में राष्ट्रसंत आनंदऋषिजी के 124वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को उपाध्याय केवलमुनि की 111वीं जयंती पर साध्वी विपुलदर्शनाजी ने कहा कि महापुरुषों के जीवन का एक भी संस्मरण अगर हमारे जीवन के साथ जुड़ जाये तो हमारा जीवन निखर जाता है। जैसे गीत के स्वर अलग-अलग होते है परंतु सातों स्वर मिलने से जो गीत बनता है उसको सुनने से हम मंत्रमुग्ध हो जाते है, वैसे ही महापुरुषों की जीवन शैली, क्रियाकलाप, लेखनी, विचार आदि के संगम से हमारी आत्मा तृप्त हो जाती है। उन्होंने कहा कि उपाध्याय केवलमुनिजी जैसे महापुरुष स्थानकवासी परंपरा के आकाश में आस्था के सूर्य समान है। जन्म जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एकासन व्रत के बारे में उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से भोजन से हमारा शरीर हष्टपुष्ट रहता है ठीक उसी प्रकार से तप अराधना करने से हमारी आत्मा को खुराक मिलती है साथ ही उन्होंने हिदायत दी कि तपस्या के दौरान अभिमान, क्रोध व निदान के परे ब्रह्मचर्य पालना, धर्माराधना व स्वाध्याय करना चाहिये।

संघ-संस्थाओं की एकता के बारे में साध्वीश्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का स्वभाव व प्रकृति अलग होती है परंतु साथ में आ जाने पर एक ताकत का निर्माण होता है, आज समाज में प्रत्येक व्यक्ति कोई न कोई विशेषता से पूर्ण है उस शक्ति को पहचानकर यथा स्थान पर नियोजन करने से उसकी शक्ति का परिचय मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से वीणा के तीनों तारों के सामंजस्य से मधुर स्वर निकलते है, गीत के सातों सुर मिलने से मंत्रमुग्ध करने वाला संगीत बनता है, सात रंग मिलकर मनमोहक इंद्रधनुष बनाते है ठीक वैसे ही संघ-संस्थाओ के सभी सदस्यों के सामंजस्य से प्रेरक व उत्पादक परिणाम निकलेंगे। श्रीरामपुरम संघ के सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार सामूहिक एकासन व्रत का लाभ श्रीरामपुरम के सुआलाल प्रकाशचंद परिवार ने लिया। संचालन संघ के अध्यक्ष शांतिलाल खिंवेसरा ने किया।

'साहित्यकार व आसुकवि थे संतश्री केवलमुनि'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय उपाध्याय केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट शूले द्वारा दिवाकर दरबार में केवलमुनिजी म सा की 111 जयंती मुनिश्री वसंतमुनिजी के तत्वावधान में ज्ञान आराधना और तप त्याग से मनाई गई। वसंतमुनिजी ने केवलमुनिजी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मात्र 11 साल की उम्र में केवलमुनिजी ने अपनी मां और भाई के साथ जिनेश्वरी दीक्षा अंगीकार की। केवलमुनि एक आसु कवि और साहित्यकार थे। अनेक जैन कथाएं और उपन्यास के साथ साथ जैन शास्त्र श्री तत्त्वार्थसूत्र पर विशेष ग्रंथ लिखा।

महामंत्री प्रेमचंद कोठारी ने बताया कि उपाध्याय केवलमुनिजी ने अपने संयमी जीवन में कश्मीर से कन्याकुमारी तक और बंगाल से लेकर गुजरात की पद यात्रा कर जिन शासन की प्रभावना की। जैन समाज मे शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश और राजस्थान में बहुत से स्कूल की प्रेरणा दी। उनकी प्रेरणा से बेंगलूरु में श्री भगवान महावीर स्वामी जैन कालेज की शुरुआत हुई। उनका अंतिम चातुर्मास अलसूर जैन स्थानक भवन में हुआ और देवलोकगमन शूले में हुआ। इस प्रसंग पर राजेंद्रकुमार मोहितकुमार एवं मरलेचा परिवार से प्रभावना वितरित की गईं। इस प्रसंग पर प्रवचन में उपाध्याय प्रवर केवल मुनि जैनोदय ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मरलेचा, शूले संघ के अध्यक्ष देवराज चोपड़ा, जयमल जैन संघ के मंत्री महेंद्र भंसाली, संस्कार महिला मंडल की अध्यक्ष ललिता मरलेचा आदि उपस्थित थे।

प्रभु वाणी श्रवण से जीवन की दशा व दिशा में बदलाव आता है : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजीने अपने प्रवचन में कहा कि सर्वज्ञ सर्वदर्शी अरिहन्त परमात्मा देशना के माध्यम से हमारी दिशा बदलते हैं। दिशा बदलेगी तो हमारी दशा भी बदलेगी। जो अपनी दिशा नहीं बदलेगा उसकी दशा भी नहीं बदलेगी। जिसने भी वीर परमात्मा की देशना को अपने अन्दर उतारा है उनकी दिशा और दशा दोनों बदलती है। हमारी दिशा नहीं बदलने का कारण हमने जिनाज्ञा को आपने जीवन में नहीं उतारा है। श्रावक जीवन के बारह अणुव्रतों को स्वीकार करना चाहिए। व्रत पच्छखान स्वीकार करने के पश्चात परीक्षा भी होती है लेकिन हमें उनसे डिगना नहीं है। जीवन में छोटे छोटे नियम होना जरूरी है, जिनाज्ञा से ही जीवन में नियम लेने की प्रवृत्ति आती है।

'अच्छी सोच वाला सबका चहेता बनकर रहता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन भवन में प्रातःकालीन प्रवचन में राजेशमुनिजी ने कहा कि जिसकी सोच अच्छी होती है वह किसी से डरता नहीं है। ऐसा व्यक्ति सबका चहेता बनकर रहता है। अच्छी बातचीत से संवाद बढ़ता है लेकिन विवाद से बिखराव पैदा हो जाता है, आपसी दूरियां बढ़ जाती हैं और मैत्रीपूर्ण रिश्तों का अंत हो जाता है। रिश्ते मैत्रीपूर्ण रहें, इसके लिए हमें घर, समाज आदि में कुतर्क नहीं करना चाहिए। वस्तु के प्रति हमारी चाहना ही परिग्रह का कारण बनती है। वस्तु के प्रति चाहना छूटी वहीं साधना शुरू होती है। जब तक मैं और मेरा यह भाव नहीं छूटेगा तब तक अहंकार नहीं छूटता। ज्ञान, दर्शन और चारित्र से ही मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है, इसके लिए पुरुषार्थ के साथ सच्ची श्रद्धा और भक्ति चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि प्रभु आज्ञा में रहकर जो जीवन निर्वाह करे वो मुनि। जब तक हम जिंदा हैं तब तक मतलब के कारण सब तेरा मेरा होता है वो भी अपनी अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने और जब हमारी आंख बंद हुई तो कोई किसी का नहीं रहता। हमें सेवा भी करनी है निस्वार्य भाव से ताकि हमारे पुण्य का बंध हो सके। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

'गुरु से जीवन में विनय व विवेक आता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुधाकंवरजी म. सा. ने आयामों के विवेचन के तहत धर्म और गुरु के बारे मे बताया कि,धर्म वो जिसके धारण करने से जीवन का कल्याण हो। धर्म बाहरी क्रियाओं से नहीं, बल्कि अन्तर्मन से किया जाना चाहिए। धर्म से हर परिस्थिति चाहे अनुकूल हो या प्रतिकूल, समभाव में रहा जा सकता है, धर्म में गुरु का बहुत महत्व होता है, जो हमें अंधकार से निकाल कर प्रकाश पुंज की ओर अग्रसित करे, वो गुरु है। गुरु के बिना जीवन शुरू नहीं हो सकता है, गुरु हमारे जीवन के सफल कलाकार होते हैं, गुरु कंकर से शंकर बना देते हैं, गुरु से जीवन मे विनय व विवेक आता है, जैसे बिज़ली अर्थ और न्यूट्रल दो फेज के बिना बिजली चल नहीं सकती हैं वैसे ही विनय व विवेक के बिना जीवन भी प्रकाश मान नहीं हो सकता है।

साध्वी विजयप्रभाजी ने कहा कि इस संसार में अनेक व्यक्ति जन्म लेते हैं और अनेक व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। लेकिन सबका जन्म ना ही तो सृष्टि के लिए हर्ष का विषय होता है और ना ही सब की मृत्यु इस सृष्टि के लिए शोक का कारण होती है। लेकिन इस जन्म मरण की परंपरा में कई महापुरुष ऐसे इस धरती पर अवतरित होते हैं, जिनके जन्म से एक परिवार ही नहीं बल्कि संपूर्ण समाज में हर्ष की लहर उठती है और जिनके मृत्यु से एक परिवार ही नहीं बल्कि संपूर्ण समाज शोक से संतप्त हो उठता है। ऐसे ही एक महापुरुष हुए उपाध्यायश्री गुरुदेव श्री केवलमुनिजी म सा जिन्होंने अपने जीवन को ज्ञान की गरिमा दर्शन की दिव्यता चरित्र की चांदनी से सुशोभित किया। उपाध्याय प्रवर ने अपने संयमी जीवन में कई सारे साहित्य का सर्जन किया एवं लोक कल्याण के लिए कई परोपकारी संस्थाओं के लिए प्रेरणा दी।

साध्वी सुयशाजी ने कहा कि जीवन में संतुलन बिठाना बहुत आवश्यक है। सांसारिक जीवन में हमें एक नहीं विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देना होता है। अगर हम संतुलन नहीं बना पाए तो जीवन अव्यवस्थित हो सकता है। बाहरी आयामों पर ध्यान देने से पहले हमें अपने निजी जीवन को टटोलना होगा कि हम शारीरिक और मानसिक रूप से कितने स्वस्थ हैं। संघ अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर ने सभी का स्वागत किया। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने उपाध्याय केवलमुनिजी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

शनिवार को विजयनगर में गुरुदेव के जन्मोत्सव को सामायिक दिवस के रूप मे मनाया युवा अध्यक्ष शंकरलाल दक ने सभी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग

बेंगलूरु के रोटरी बेंगलूरु मान्यता द्वारा मान्यता टेक पार्क के निकट तनीसंद्र स्थित बीबीएमपी विद्यालय में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने 900 विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। आयोजित कार्यक्रम में रोटरी मान्यता के अध्यक्ष रविंद्र एवं पूर्व अध्यक्ष दीप्ति ने मुणोत का सम्मानित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जय रामदेवरा

बाबा रामदेव साईकिल यात्रा बेंगलूरु से रामदेवरा तक अठारहवीं बार रवाना होकर हुब्बल्ली पहुंची। हुब्बल्ली पहुंचे पर बाबा रामदेव मरुधर सेवा संघ के सदस्यों ने 16 सदस्यीय साइकिल दल का सम्मान किया तथा उन्हें शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सनातन सेवा संगठन चेरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं अनेक सभा संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com